

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-8>> वरिष्ठजनों का अनुभव हमारी...



केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ और ओडिशा की उच्चस्तरीय बैठक

समाधान ऐसा हो जिसमें दोनों राज्यों की जीत हो : साय

रायपुर। छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच लंबे समय से चले आ रहे महानदी जल विवाद के सौहार्दपूर्ण और स्थायी समाधान की दिशा में आज नई दिल्ली में महत्वपूर्ण पहल हुई। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में कर्तव्य भवन में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने महानदी से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की और अपने-अपने राज्यों का पक्ष रखा।

बैठक में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल, केंद्रीय जल आयोग के अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के मुख्य सचिव सहित केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय, केंद्रीय जल आयोग तथा दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बैठक में छत्तीसगढ़ का पक्ष रखते हुए कहा कि महानदी केवल जल का स्रोत नहीं, बल्कि दोनों राज्यों की सभ्यता, संस्कृति, कृषि और जनजीवन से जुड़ी जीवनधारा है। महानदी छत्तीसगढ़ और ओडिशा को बांटने वाली

नहीं, बल्कि दोनों राज्यों को जोड़ने वाली नदी है। इसलिए इसका समाधान भी प्रतिस्पर्धा या टक्कराव के बजाय सहयोग, विश्वास और सहमति की भावना से निकलना चाहिए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारा प्रयास ऐसा समाधान निकालने का होना चाहिए जिसमें दोनों राज्यों और वहां के नागरिकों के हित सुरक्षित हों। छत्तीसगढ़ न्यायपूर्ण, निष्पक्ष, वैज्ञानिक, पारदर्शी और दीर्घकालिक समाधान का पक्षधर है। ऐसा समाधान दोनों राज्यों के किसानों, आम नागरिकों और आने वाली पीढ़ियों के हितों को ध्यान में रखकर तैयार होना चाहिए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महानदी का उद्गम छत्तीसगढ़ में होता है और इसके जलग्रहण क्षेत्र का बड़ा हिस्सा प्रदेश में स्थित है। राज्य में कृषि, सिंचाई, पेयजल और विशेष रूप से आदिवासी एवं ग्रामीण अंचलों की विकास आवश्यकताएं महानदी से जुड़ी हुई हैं। इसलिए किसी भी स्थायी समाधान में छत्तीसगढ़ को इन वास्तविक आवश्यकताओं का समुचित ध्यान रखा जाना आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि



छत्तीसगढ़ अपने हितों की बात करते हुए ओडिशा की आवश्यकताओं और हितों का भी पूरा सम्मान करता है। हीराकुंड ओडिशा की जीवनरेखा है और छत्तीसगढ़ उसके महत्व को भलीभांति समझता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ हीराकुंड जलाशय के हितों और उसके सुचारु संचालन के लिए आवश्यक सहयोग की भावना के साथ आगे बढ़ने को तैयार है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जल जैसे महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन को साझी समृद्धि का माध्यम बनाना चाहिए। दोनों राज्यों के बीच ऐसा तंत्र विकसित हो, जिसमें जल उपलब्धता, आवश्यकता और उपयोग से संबंधित तथ्य पारदर्शी ढंग से

साझा हों और वैज्ञानिक आधार पर निर्णय लिए जाएं।

मुख्यमंत्रियों ने कहा कि दोनों राज्यों के परामर्श और केंद्र सरकार की मध्यस्थता से जो न्यायसंगत एवं व्यावहारिक समाधान सामने आएगा, छत्तीसगढ़ उसे सकारात्मक भावना से आगे बढ़ाने में पूरा सहयोग करेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ ने केंद्र और राज्य के बीच मजबूत समन्वय के सकारात्मक परिणामों को बस्तर में करीब से देखा है। नक्सलवाद जैसी दशकों पुरानी चुनौती से निपटने के लिए सुरक्षा, विकास और जनविश्वास को साथ लेकर जिस समन्वित दृष्टिकोण से काम किया गया, उससे बस्तर में व्यापक बदलाव आया है।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह की पहल से समाधान की उम्मीद

मुख्यमंत्री श्री साय ने महानदी जल विवाद के समाधान के लिए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह द्वारा की गई पहल का स्वागत करते हुए कहा कि केंद्र सरकार की मध्यस्थता में दोनों राज्यों के बीच सकारात्मक संवाद से आपसी सहमति का रास्ता निकलने की उम्मीद मजबूत हुई है। उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्रीय एकीकरण में योगदान का स्मरण करते हुए कहा कि स्वतंत्रता के बाद सरदार पटेल ने देश को एक सूत्र में पिरोने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। आज राज्यों के बीच वहाँ से लंबित विषयों को संवाद और सहमति के माध्यम से समाधान की दिशा में आगे बढ़ाने के प्रयास भी सहकारी संवाद और राष्ट्रीय एकता की इसी भावना को मजबूत करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यों के बीच जल संबंधी प्रश्नों का सौहार्दपूर्ण समाधान राज्यों के बीच विश्वास, सहयोग और भावनात्मक जुड़ाव को भी मजबूत करता है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सहकारी संवाद की भावना के अनुरूप राज्यों और केंद्र के बीच समन्वय से जटिल विषयों पर समाधान की दिशा में आगे बढ़ने का वातावरण बना है।

संवाद और वैज्ञानिक तथ्यों से निकलेगा टिकाऊ समाधान

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महानदी से संबंधित विषय में भावनाओं के साथ वैज्ञानिक तथ्यों का भी उतना ही महत्व है। छत्तीसगढ़ को केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय की मध्यस्थता तथा केंद्रीय जल आयोग के निष्पक्ष, वैज्ञानिक और पारदर्शी तकनीकी आकलन पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा कि जल उपलब्धता, वर्तमान एवं भविष्य की आवश्यकताओं, सिंचाई, पेयजल, पर्यावरणीय जरूरतों और दोनों राज्यों की विकास संबंधी आवश्यकताओं का समग्र अध्ययन करते हुए आगे बढ़ना चाहिए। तकनीकी स्तर पर तथ्य स्पष्ट होंगे और राजनीतिक स्तर पर संवाद एवं विश्वास कायम रहेगा तो निश्चित रूप से ऐसा समाधान निकल सकता है, जो दोनों राज्यों की स्वीकार्य हो और आने वाली पीढ़ियों के हित में भी हो।

एशियाड 2026 : हॉकी में पाकिस्तान को हराया

भारत हॉकी- क्रिकेट के फायनल में

आइवी नागोया। एशियन गेम्स 2026 के 12वें दिन भारत के लिए कई खेलों में शानदार नतीजे देखने को मिले। भारतीय खिलाड़ियों ने क्रिकेट, हॉकी, तीरंदाजी, गोल्फ और कुश्ती में दमदार प्रदर्शन किया। पुरुष क्रिकेट टीम ने सेमीफाइनल में श्रीलंका को 124 रन से हराकर फाइनल में जगह बनाई, जहां अब उसका सामना पाकिस्तान से होगा। वहीं, पुरुष हॉकी टीम ने भी पाकिस्तान को 4-3 से हराकर फाइनल का टिकट कटया। तीरंदाजी में गणेश मणि रत्नम थिरसुमुर ने कांस्य पदक जीता, जबकि ग्रीको रोमन कुश्ती में नितेश सिवाच ने रजत पदक अपने नाम किया। स्कैश में भारत की महिला और पुरुष दोनों टीमों ने कांस्य पदक जीता। हालांकि, टेनिस में भारत की चुनौती समाप्त हो गई और गोल्फ में भी पदक की उम्मीदें बनी हुई हैं।

श्रीलंका पर रिकॉर्ड जीत
दिन की सबसे बड़ी खबर भारतीय पुरुष



क्रिकेट टीम की रही। भारत ने सेमीफाइनल में श्रीलंका को 124 रन से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवर में सात विकेट पर 169 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंकाई टीम सिर्फ 45 रन पर ढेर हो गई।

हॉकी में भी भारत और पाकिस्तान के बीच जोरदार मुकाबला देखने को मिला। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने पाकिस्तान को

4-3 से हराकर लगातार दूसरी बार एशियन गेम्स के फाइनल में जगह बनाई। भारत ने शुरुआत से ही दबाव बनाया। हरमनप्रीत सिंह ने पांचवें और 13वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला, जबकि सुखजीत सिंह ने 23वें मिनट में मैदानी गोल दागा। इस तरह भारत ने 3-0 की बढ़त बना ली थी।

हालांकि, पाकिस्तान ने दूसरे हाफ में जोरदार वापसी की। हनन शाहिद और वहीद राणा ने गोल कर स्कोर 3-3 कर दिया। मुकाबला बराबरी की ओर बढ़ रहा था, लेकिन मैच खत्म होने से सिर्फ 49 सेकेंड पहले अभिषेक ने मैदानी गोल कर भारत को 4-3 की बढ़त दिला दी। यही गोल निर्णायक साबित हुआ। भारत अब स्वर्ण पदक के मुकाबले में उतरेगा। टीम के पास खिताब बरकरार रखने और 2028 ओलंपिक का कोटा हासिल करने का मौका है।

काँकरोच झानेश के इस्तीफे पर अडे

मुंबई। एक अक्टूबर काँकरोच जनता पार्टी (काँजपा) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की बृहस्पतिवार को मांग की और आगाह किया कि यदि उनकी मांग नहीं मानी गई तो देशभर में विरोध प्रदर्शन शुरू किए जाएंगे तथा अक्टूबर के अंत से दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलन किया जायेगा। दीपके ने कहा कि काँजपा छह अक्टूबर को निर्वाचन आयोग के खिलाफ विपक्ष के प्रदर्शन में शामिल नहीं होगी और यह एक स्वतंत्र आंदोलन रहेगा। दीपके ने यहां मुंबई प्रेस क्लब में कहा कि काँजपा मुख्य निर्वाचन आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर दो अक्टूबर को शहर के दादर इलाके के शिवाजी पार्क में प्रदर्शन करेगी।



वडनगर से वाराणसी की सेवा यात्रा पहुंची जांजगीर

रायपुर। प्रधानमंत्रीनरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों की जनसेवा को समर्पित 'सेवा संकल्प यात्रा' वडनगर (गुजरात) से वाराणसी (उत्तर प्रदेश) तक जनसेवा से राष्ट्रसेवा का संदेश लेकर आगे बढ़ रही है। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत निकली इस यात्रा के जांजगीर पहुंचने पर जिले के प्रभारी मंत्री एवं वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी सहित जनप्रतिनिधियों, युवाओं और नागरिकों ने बाइक यात्रियों का आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर वित्त मंत्री श्री चौधरी स्वयं बाइक रैली में शामिल हुए और युवाओं का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने युवा संवाद कार्यक्रम में युवाओं से सीधा संवाद करते हुए उन्हें सेवा, सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

राज्यसभा की तीसरी सीट जीतने के लिए सपा बना रही रणनीति

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा को हराने के लिए जो लोग आना चाहते हैं, सभी का स्वागत है। वह राज्यसभा और

एमएलसी चुनाव में भाजपा के कई बड़े नेताओं और विधायकों के सपा से संपर्क से जुड़े सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने सपा से छिटककर गए विधायकों की तरफ भी इशारा करते हुए कहा कि जो लोग सपा के वोट से जीतकर गए हैं वो भाजपा के वोट से कैसे जीतेंगे। क्या भाजपा में उनकी टिकट पक्की हो गई है? उन्होंने इशारों में कहा कि इन चुनावों के जरिये वे अपनी गलतियों को धो सकते हैं। बृहस्पतिवार को सपा मुख्यालय में धनराज परिमल नाथवानी को राज्यसभा भेजने पर अखिलेश ने कहा कि कॉर्पोरेट वर्ल्ड में भी सपा की धमक पहुंचेगी क्योंकि सरकारी निवेश के साथ कॉर्पोरेट निवेश भी विकास के लिए जरूरी है। अखिलेश ने कहा कि नदियां नहीं साफ हुईं, बजट का पैसा साफ हो गया। उन्होंने कहा कि गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस वे पर 45 किलोमीटर में 74 गड्डे हो गए हैं।

उपचुनाव में भाजपा का समर्थन करेंगे अल्पसंख्यक : सुर्वेद

कोलकाता। रेजीनगर में कई पार्टियों के बीच हो रहे कड़े मुकाबले में भर्त्ताजपा उम्मीदवार सखराव सरकार को उम्मीद है कि उन्हें अल्पसंख्यक समुदाय का समर्थन मिलेगा। वहीं, गुरुवार को बंगाल के नेता सुर्वेदु अधिकारी ने मतदाताओं से 6 अक्टूबर को होने वाले उपचुनाव में पार्टी का समर्थन करने की अपील की। मुर्शिदाबाद निर्वाचन क्षेत्र में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए अधिकारी ने कहा कि अल्पसंख्यक समुदायों के मतदाता, जो आम तौर पर भाजपा से दूर रहते थे, उन्होंने संकेत दिया है कि वे इस बार पार्टी का समर्थन करेंगे। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि रेजीनगर में सांप्रदायिक राजनीति नहीं चलेगी, 6 अक्टूबर के उपचुनाव में लोग भाजपा सरकार के साथ खड़े होंगे। अधिकारी ने गुरुवार को रेजीनगर को एक माँडल विधानसभा क्षेत्र बनाने का वादा किया। उन्होंने अगले डेढ़ साल में 200 बिस्तरों वाला अस्पताल, एक कॉलेज, एक पुल, नए उद्योग और दूध इकट्ठा करने के पांच केंद्र बनाने का भी वादा किया।

सह-पायलट कट्टरपंथी सोच से प्रभावित, ईरान पर क्या दावा?

नई दिल्ली। तेल अवीव जा रहे फ्लाईटुडबई के एक विमान में सह-पायलट पर भारतीय कप्तान स्मित मच्छर पर चाकू से हमला करने का आरोप है। घटना के दौरान विमान में सवार करीब 180 यात्रियों की जान खतरे में पड़ गई थी। इनमें से ज्यादातर यात्री इस्राइली बताए गए हैं। घटना के बाद विमान को सऊदी अरब के तबुक में आपात स्थिति में उतारा गया। इस्राइल ने इस घटना को संभावित आतंकवादी हमले की कोशिश बताया है। संयुक्त अरब अमीरात भी इस मामले की जांच कर रहा है। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने फॉक्स न्यूज से बातचीत में दावा किया कि आरोपी सह-पायलट को इस्लामी कट्टरपंथ की विचारधारा के तहत प्रशिक्षित किया गया था। उन्होंने कहा कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है और जांच एजेंसियां उसके इरादों का पता लगा रही हैं। नेतन्याहू ने कहा, हमें पता है कि उसे इस्लामी कट्टरपंथ की विचारधारा के तहत प्रशिक्षित किया गया था।



बिहार में बाढ़ का कहर: गंडक- बागमती-कोसी उफनाई



पटना। बिहार में एक बार फिर बाढ़ की स्थिति गंभीर होती जा रही है। नेपाल और उत्तर प्रदेश के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में हुई भारी बारिश के बाद गंडक समेत कई नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ा है। गंडक के अलावा बागमती और कोसी नदी भी उफान पर है। पश्चिम चंपारण, गोपालगंज, सारण, मुजफ्फरपुर, सुपौल और सहरसा के लोग बाढ़ से प्रभावित बताए जा रहे हैं। गंडक नदी के बड़े जलस्तर से कई तटबंध टूट गए। कुछ स्थानों पर रिसाव और कटाव की स्थिति सामने आई है। इससे निचले इलाकों में पानी तेजी से फैल रहा है। इधर, गंडक में दबाव बढ़ने से गंगा का भी जलस्तर बढ़ रहा है। पटना और बेगूसराय समेत कुछ जिलों में गंगा घाट पर फिर से पानी बढ़ने लगा। बाढ़ का खतरा इधर भी बढ़ने लगा है।

भाजपा को हटाने के लिए 2029 तक रुकने की जरूरत नहीं : ममता

नयी दिल्ली। एक अक्टूबर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनका मानना है कि भारतीय जनता पार्टी इस बार जाएगी और विपक्ष को 2029 के लोकसभा चुनाव तक इंतजार करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने विपक्षी इंडिया गठबंधन से एकजुट होकर लड़ने का आह्वान किया। बनर्जी की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब विपक्षी गठबंधन ने एक दिन पहले दिल्ली में साढ़े तीन घंटे बैठक की और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर निर्वाचन आयोग (ईसी) के खिलाफ संयुक्त कार्ययोजना को अंतिम रूप दिया। इसमें देशभर में लोकतंत्र बचाओ कार्यक्रम आयोजित करना, छह अक्टूबर को विपक्षी सांसदों द्वारा निर्वाचन आयोग के कार्यालय तक मार्च निकालना और राष्ट्रपति से मुलाकात का समय मांगना शामिल है। बनर्जी ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमें विश्वास है कि इस बार भाजपा जाएगी और हमें 2029 तक इंतजार करने की जरूरत नहीं है। देखिए क्या होता है। खेल शुरू हो चुका है। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष को फिलहाल निर्वाचन आयोग के कामकाज सहित तत्काल राजनीतिक लड़ाई पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।



एथनॉल ईंधन से वाहनों को नुकसान के दावे करने वालों की खिँचाई

एथनॉल को लेकर देश में चल रही बहस के बीच जब केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी आज बिहार पहुंचे, तो वहां भी उनसे वही सवाल पूछा गया जो इन दिनों देशभर में उनसे पूछा जा रहा है। उनसे पूछा गया कि क्या पेट्रोल में एथनॉल मिलाने से वाहनों को नुकसान पहुंच रहा है? गडकरी ने इस दावे को सिर से खारिज करते हुए कहा कि एथनॉल मिश्रित पेट्रोल से वाहनों को नुकसान पहुंचने की बात तथ्यों पर आधारित नहीं है।

हम आपको बता दें कि पटना में ‘बिहार इन्वेस्टर समिट 2026 = द इमर्जिंग इन्वेस्टमेंट डेस्टिनेशन ऑफ

इंडिया’ का उद्घाटन करने पहुंचे गडकरी ने कहा कि देश की प्रमुख वाहन कंपनियां अपने वाहनों को शत-प्रतिशत एथनॉल से चलाकर परीक्षण कर चुकी हैं और इस संबंध में कोई शिकायत सामने नहीं आई है। गडकरी ने कहा, “संबंधित विभाग का मंत्री होने के नाते मैं जानता हूँ कि सभी प्रमुख वाहन कंपनियों ने अपने वाहनों को 100 प्रतिशत एथनॉल के जरिये चलाकर भी रहे हैं और कोई शिकायत सामने नहीं आई है।”

उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2022 से करीब चार करोड़ चार-पहिया और 20 करोड़ दोपहिया वाहन एथनॉल मिश्रित पेट्रोल का इस्तेमाल कर रहे हैं।

गडकरी ने कहा कि यदि एथनॉल से वाहनों को नुकसान हो रहा है तो कोई सामने आकर इसकी शिकायत करके दिखाए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एथनॉल मिश्रण की नीति केवल पेट्रोल में एक और ईंधन मिलाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे कृषि को ऊर्जा और बिजली क्षेत्र से जोड़ने की बड़ी रणनीति है। उनके मुताबिक इससे किसानों के लिए आय के नए रास्ते खुल रहे हैं और आने वाले समय में किसान केवल अन्नदाता नहीं, बल्कि ऊर्जादाता भी बन सकते हैं।

गडकरी ने कहा कि भारत करीब 22 लाख करोड़ रुपये मूल्य के पारंपरिक ईंधन का आयात करता है।



ऐसे में घरेलू स्तर पर वैकल्पिक ईंधन को बढ़ावा देने से आयात पर निर्भरता घटने में मदद मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि जिन लोगों के कारोबार पर इसका असर पड़ सकता है, वे स्वाभाविक रूप से एथनॉल नीति को लेकर चिंतित हो सकते हैं। उन्होंने दावा

किया कि मक़्के से एथनॉल बनाने और उसके इस्तेमाल को बढ़ावा देने के फैसले से बिहार और उत्तर प्रदेश के किसानों की अतिरिक्त आय में करीब 45,000 करोड़ रुपये तक की वृद्धि हुई है। गडकरी ने सवाल उठाया कि किसानों के हित में आय बढ़ाना उन लोगों के हित साधने से बेहतर नहीं है, जिनसे भारत ईंधन आयात करता है? भौगोलिकसंदर्भ

गडकरी ने भविष्य के ईंधन और तकनीक का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार नए विकल्पों पर काम कर रही है। उन्होंने बताया कि धान की भूसी से विमान ईंधन तैयार करने की दिशा में भी काम हुआ है। उनके मुताबिक आने वाला समय नवाचार, प्रौद्योगिकी और

अनुसंधान का है और बिहार जैसे राज्यों को इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। बिहार की संभावनाओं पर बात करते हुए गडकरी ने पर्यटन और स्थानीय उत्पादों को निवेश का बड़ा आधार बताया। उन्होंने मखाने का उदाहरण देते हुए कहा कि बिहार में बड़े पैमाने पर उत्पादित होने वाले इस उत्पाद की अंतरराष्ट्रीय बाजार में काफी मांग है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार के नई ऊंचाइयों पर पहुंचने की उम्मीद जताते हुए गडकरी ने राज्य में निवेश की संभावनाओं पर जोर दिया। वहीं चौधरी ने निवेशकों से साफ शब्दों में कहा— “बिहार में विश्वास करें और बिहार में निर्माण करें।

इथेनॉल 20 क्या है

एक प्रकार का मिश्रित ईंधन है जिसमें 80ल सामान्य पेट्रोल और 20ल एथेनॉल का मिश्रण होता है। एथेनॉल एक जैव ईंधन है जिसे गन्ना, मक्का, सड़ा हुआ अनाज और कृषि अवशेषों से तैयार किया जाता है। विदेशी मुद्रा की बचत- इससे कच्चे तेल का आयात कम होता है और देश के धन की बचत होती है। पर्यावरण की रक्षा- यह पारंपरिक पेट्रोल की तुलना में कम कार्बन और हानिकारक गैसों का उत्सर्जन करता है, जिससे प्रदूषण घटता है। किसानों को लाभ- कृषि उत्पादों के उपयोग से किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिलती है।

बाउंड्रीवाल ने रोका मुक्तिधाम का रास्ता



तखतपुर। ग्राम पंचायत डोमनपुर में मुक्तिधाम तक पहुंचने वाले रास्ते को लेकर विवाद सामने आया है। निजी जमीन पर बाउंड्रीवाल किए जाने के कारण ग्रामीणों को शव को मुक्तिधाम तक ले जाने में परेशानी का सामना करना पड़ा। रास्ता बंद होने की सूचना पर ग्रामीणों ने तहसीलदार और थाना प्रभारी से मदद की गुहार लगाई। इसके बाद तहसीलदार शशांक शेखर शुक्ला, नायब तहसीलदार और थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे। दोनों पक्षों से चर्चा के बाद रास्ता खुलवाया गया और शव को मुक्तिधाम पहुंचाकर अंतिम संस्कार कराया गया।

ग्राम पंचायत के सरपंच प्रतिनिधि विजय जायसवाल ने बताया कि मुक्तिधाम तक जाने वाला रास्ता करीब 100 वर्षों से ग्रामीणों द्वारा निस्तारी और अंतिम संस्कार के लिए उपयोग किया जा रहा है। उनका आरोप है कि रास्ते पर बार-बार कब्जा कर बाउंड्रीवाल कर दी जाती है, जिससे गांव में किसी की मृत्यु होने पर शव को मुक्तिधाम तक ले जाने में परेशानी होती है। ग्रामीणों ने इस रास्ते को स्थायी रूप से निस्तारी के लिए खुला रखने की मांग की है।

तहसीलदार शशांक शेखर शुक्ला के अनुसार, मुक्तिधाम से लगी जमीन निजी है। ग्रामीण लंबे समय से निजी जमीन से लगी परंपरागत मेड़ के रास्ते से शव को मुक्तिधाम तक ले जाते रहे हैं। भूमि स्वामी द्वारा रास्ता बाधित कर बाउंड्रीवाल किए जाने से अंतिम संस्कार के लिए शव ले जाने में समस्या उत्पन्न हुई। प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों से बातचीत की और तत्काल रास्ता उपलब्ध कराया, जिसके बाद अंतिम संस्कार कराया जा सका।

वहीं निजी जमीन के मालिक हितेश चंद्राकर ने प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठाया है। उनका कहना है कि जमीन उनकी निजी संपत्ति है और पूर्व में उनके खिलाफ बेजा कब्जा संबंधी मामला चला था, जिसमें वे जीत चुके हैं। उनका आरोप है कि बिना किसी पूर्व सूचना के ग्रामीणों और प्रशासनिक अमले ने उनकी जमीन की बाउंड्रीवाल तोड़कर रास्ता बना दिया। उन्होंने पूरे मामले में नियमानुसार कार्रवाई किए जाने की बात कही है।

प्रशासन के हस्तक्षेप से तत्काल रास्ता खुलने के बाद शव का अंतिम संस्कार करा दिया गया, लेकिन निजी जमीन से होकर मुक्तिधाम तक जाने वाले रास्ते को लेकर विवाद पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। ग्रामीण स्थायी समाधान की मांग कर रहे हैं, ताकि भविष्य में किसी की मृत्यु होने पर शव को मुक्तिधाम तक ले जाने में ऐसी स्थिति दोबारा न बने।

अछोटा गांव में तनाव, ग्राम सभा की बैठक मारपीट का आरोप

धमतरी। धमतरी के अछोटा गांव में स्थानीय मुद्दों को लेकर दो पक्षों के बीच तनाव की स्थिति बनी थी। जिसमें ग्राम विकास समिति पर ग्रामीणों ने गंभीर आरोप लगाए थे। वहीं दूसरी ओर ग्राम विकास समिति से जुड़े लोगों ने झूठे मामलों में फंसाने की बात सामने रखी थी। इन घटनाओं को लेकर शांति स्थापित करने के लिए गांव में बैठक बुलाई गई थी, जिसमें मामला शांत होने के बजाय और भी भड़क गया। दोनों ही पक्ष एक दूसरे के ऊपर गंभीर आरोप लगाते हुए थाने में शिकायत दर्ज कराई। इसकी जांच अब पुलिस कर रही है। इस घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। इस घटना के विरोध में ग्राम विकास समिति के पदाधिकारी ग्रामीणों के साथ शिकायत लेकर एसपी कार्यालय पहुंचे थे, तो दूसरी ओर ग्रामीणों के दूसरे समूह ने नगरी-सिहावा मार्ग पर बुधवार को चक्काजाम किया था। करीब दो घंटे तक मार्ग बाधित रहा। ग्राम विकास समिति से जुड़े लोगों का आरोप है कि गांव में बैठक चल रही थी और इसी दौरान कुछ लोग वहां पहुंचे और विवाद शुरू किया।

सेंट्रल गवर्नमेंट कर्मचारियों की तर्ज पर महंगाई भत्ता

जगदलपुर। जिले में छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ ने बुधवार को संभाग स्तरीय एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया, जिसमें पूरे संभागभर के कर्मचारी इकट्ठे हुए। शहर के मंडी परिसर में अपनी मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन करने के बाद कर्मचारियों ने विशाल रैली निकाली और बस्तर कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। गजेन्द्र श्रीवास्त्व ने बताया कि मोदी की गारंटी के तहत तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारियों को सेंट्रल कर्मचारियों की तर्ज पर महंगाई भत्ता दिये जाने का वादा किया गया था। साथ ही जनवरी महीने से महंगाई भत्ते की एरियर्स राशि जीपीएफ में डाले जाने की भी बात कही गयी थी। साथ ही वेतन भोगी और अनियमित कर्मचारियों को मोदी की गारंटी के तहत नियमित करने की भी घोषणा की गई थी। दिवंगत कर्मचारियों के आश्रित परिवार के सदस्यों को अनुकंपा नियुक्ति मिलने का भी वादा किया गया। लेकिन लंबे समय से ऐसे कर्मचारियों के परिवार अनुकंपा नियुक्ति पाने के लिए भटक रहे हैं और उनकी एक भी मांग पूरी नहीं हुई है।

37 साल बाद पेंशन बंद, सड़क पर रिटायर्ड प्रोफेसर

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के शत-प्रतिशत अनुदान प्राप्त अशासकीय महाविद्यालयों के सेवानिवृत्त प्रोफेसर और कर्मचारियों की पेंशन का मुद्दा गरमा गया है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि 1 सितंबर 2026 से पेंशन बंद करने का आदेश जारी कर दिया गया है। वहीं जुलाई और अगस्त की पेंशन का भुगतान भी लंबित बताया जा रहा है। इसके विरोध में बुधवार को कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भिलाई में सेवानिवृत्त शिक्षक और कर्मचारियों ने धरना प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से पेंशन तत्काल बहाल करने और लंबित भुगतान जारी करने की मांग की है। कल्याण महाविद्यालय में हुए धरना प्रदर्शन में सेवानिवृत्त प्रोफेसर और लेक्चरर और कर्मचारी शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि उन्हें पिछले करीब 37 वर्षों से पेंशन का लाभ मिल रहा है। कई शिक्षक और कर्मचारी ऐसे हैं, जो चौथे वेतनमान के आधार पर सेवानिवृत्त हुए और वर्ष 2010 से लगातार उसी आधार पर पेंशन प्राप्त कर रहे हैं। अब अचानक पेंशन रकने से उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

डस्टबिन में मिले एक फटा पन्ना ने दिखाई आत्मनिर्भरता की राह

कोरिया। कोरिया जिले के बैकुंठपुर विकासखंड के ग्राम तोलगा की अंजना उरांव के जीवन में भी बदलाव की शुरुआत किसी बड़े मंच से नहीं, बल्कि कार्यालय के डस्टबिन में पड़े एक फटे हुए पत्रे से हुई। डस्टबिन में पड़े उस पत्रे पर लिखा था पीएम रोजगार सृजन कार्यक्रम दूसरों के लिए वह कामज का टुकड़ा था, लेकिन अंजना के लिए वह उनके भविष्य का दरवाजा बन गया। उन्होंने उस पत्रे को उठाया, पढ़ा, योजना को समझने की कोशिश की और मन ही मन तय कर लिया कि अब जिंदगी केवल सीमित आय वाली नौकरी तक नहीं रहेगी। वे अपना काम शुरू करेंगी, आत्मनिर्भर बनेंगी और दूसरों के लिए भी रोजगार का अवसर तैयार करेंगी। आज वही अंजना उरांव अपनी अंजना इंटरप्राइजेज फ्लाईऐश ईट निर्माण इकाई संचालित कर रही हैं। लगभग 30 लाख रुपये के बैंक ऋण से शुरू हुआ उनका यह उद्यम अब तक करीब 20 लाख फ्लाईऐश ईटों का उत्पादन कर चुका है। गांवों में बन रहे प्रधानमंत्री आवासों के लिए इन ईटों की आपूर्ति कर अंजना आर्थिक स्थिति मजबूत कर रही हैं।

आत्महत्या के लिए दुष्परित करने वाला आरोपी गिरफ्तार

कोंडगांव। जिले के थाना मर्दापाल पुलिस ने मृतिका के परिजनों एवं सहेलियों के कथन तथा जांच में यह पाया गया कि मृतिका द्वारा आरोपी से विवाह करने की बात कहे जाने पर आरोपी द्वारा विवाह से इंकार करने तथा आत्महत्या के लिए दुष्परित करने के मामले में आज बुधवार को आरोपी कुमेन्द्र कश्यप पिता धनीराम कश्यप, जाति मुरिया, उम्र 19 वर्ष, निवासी हसलनार बाजारपारा को गिरफ्तार किया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार थाना मर्दापाल में मर्ग क्रमांक 15/2026, धारा 194 बीएनएसएस की जांच के दौरान मृतिका के परिजनों एवं सहेलियों के कथन, घटनास्थल निरीक्षण तथा उपलब्ध साक्ष्यों से यह तथ्य सामने आया कि मृतिका का कुमेन्द्र कश्यप पिता धनीराम कश्यप, जाति मुरिया, उम्र 19 वर्ष, निवासी हसलनार बाजारपारा, थाना मर्दापाल, जिला कोण्डगांव के साथ प्रेम संबंध था,जांच में यह भी पाया गया कि मृतिका द्वारा आरोपी से विवाह करने की बात कहे जाने पर आरोपी द्वारा विवाह से इंकार किया गया।

बस्तर में बाढ़ से तबाही और सरकार के मुआवजे पर भड़के दीपक बैज

जगदलपुर। बस्तर में बारिश और बाढ़ ने जमकर तबाही मचाई है। मुश्किल हालात में बाढ़ पीड़ित अब संभलने की कोशिश कर रहे हैं। बस्तर में बाढ़ और बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात करने पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज भी बस्तर पहुंचे। बैज ने करीब 8 से 10 बाढ़ प्रभावित इलाकों में लोगों से मुलाकात की। पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि बस्तर में बारिश और बाढ़ ने रिकॉर्ड तोड़ दिया है। बाढ़ से लोगों का आशियाना उजड़ गया। सैकड़ों लोग बाढ़ में फंसे रहे। बैज ने कहा कि इस समय बाढ़ ने जमकर तबाही मचाई है। 8-10 बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। लोगों से बातचीत की है। सैकड़ों घर तबाह हो गए हैं। घर में नमक से लेकर दाल चावल तक बह गया। कई घरों में आज भी पानी भरा है। सांप बिच्छू का डर भी है। थान की फसल पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है। मुर्गी, बकरा, बैल बाढ़ के पानी में बह गए। दीपक बैज ने कहा कि कई सड़कें खराब हो गईं। ऐसे समय में भी शासन प्रशासन सिर्फ खानापूर्ति करने में लगे हैं। राहत शिविर में बहुत सारे सरपंच सचिव खुद मदद पहुंचा रहे हैं। जगदलपुर



शहर की तीस से चालीस फीसदी आबादी बाढ़ की चपेट में है। स्वयंसेवी संस्था के साथ ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बाढ़ पीड़ितों की मदद की है। तीन सौ से चार सौ बाढ़ प्रभावित को रोज खाना पहुंचाया जा रहा है। कांग्रेस बाढ़ पीड़ितों के साथ है, उनकी मदद कर रही है। दीपक बैज ने सीएम पर भी निशाना साधा। दीपक बैज ने कहा कि मुख्यमंत्री बस्तर दौरे पर आए और सिर्फ खानापूर्ति कर चले गए। सिर्फ चैहरा चमकाने का काम हो रहा है। दस दस हजार रुपए की घोषणा की गई। यह तो तहसीलदार और एसडीएम लेवल का है। जो बस्तर खनिज संसाधन से भरपूर है।

श्मशान के पास तंत्र-मंत्र! ग्रामीण की शिकायत पर पुलिस ने 9 लोगों को किया गिरफ्तार

बालोद। बालोद जिले के रनचिरई थाना क्षेत्र के जोरताराई गांव से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां श्मशान के पास तंत्र-मंत्र कर रहे लोगों को ग्रामीणों ने पकड़ा। ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने 9 लोगों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। ग्रामीणों की माने तो पितृ पक्ष से पहले इस तरीके से श्मशान के पास तंत्र-मंत्र करना और एक-दूसरे का मुंडन करना तंत्र-मंत्र की साधना कर कुछ हासिल करना हो सकता है। बताया जा रहा है कि जिस जगह



तांत्रिक क्रिया की जा रही थी, उस जगह से नीबू समेत अन्य सामग्रियां बरामद की गई है। पूरे मामले में एडिशनल एसपी चन्द्रकान्त गवर्ना ने बताया कि ग्रामीणों के शिकायत पर 9 आरोपियों को खिलाफ थाना रनचिरई में मामला दर्ज कर गुण्डदेही न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

यूपीएससी और सीजीपीएससी की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए सूरजपुर कलेक्टर की पहल

सूरजपुर। जिले में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए जिला प्रशासन ने एक अनोखी पहल की है। कलेक्टर रेना जमील के मार्गदर्शन में आयोजित एक विशेष सत्र में इस वर्ष यूपीएससी और सीजीपीएससी में टॉप करने वाले नवनियुक्त अधिकारियों ने स्थानीय छात्र-छात्राओं को सफलता के मूल मंत्र सिखाए। सूरजपुर के इतिहास में अपनी तरह के इस पहले आयोजन में देश और राज्य के टॉपर्स ने युवाओं को मोटिवेट करते हुए



परीक्षा की बारीकियों और अपने संघर्षों के अनुभव साझा किए। इस दौरान इस वर्ष अधिकारी बन चुके

अभ्यर्थियों ने छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से करियर बनाने के गुर सिखाए। वहीं अपने जीवन में आई कठिनाइयों से कैसे

चिरमिरी में मेगा हेल्थ कैम्प का आयोजन

सेवा संकल्प अभियान पहुंची विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम, 10 हजार मरीजों की जांच का लक्ष्य

एमसीबी। सेवा संकल्प अभियान-2026 के तहत मंगल भवन पोड़ी, चिरमिरी में दो दिवसीय मेगा हेल्थ कैंप का शुभारंभ स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के मुख्य आतिथ्य में हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिक निगम चिरमिरी के महापौर रामनरेश राय ने की। शिविर में प्रदेश के अस्पतालों से पहुंचे विशेषज्ञ डॉक्टर मरीजों की जांच, उपचार एवं परामर्श दिया जा रहा है।

मेगा हेल्थ कैंप में कार्डियोलॉजिस्ट, न्यूरोलॉजिस्ट, बाल रोग विशेषज्ञ, गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट, कैंसर विशेषज्ञ, यूरोलॉजिस्ट, शल्य रोग विशेषज्ञ, अस्थि रोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ, मेडिसिन विशेषज्ञ, दंत चिकित्सक, फिजियोथेरेपिस्ट, नेत्र रोग विशेषज्ञ, चर्म रोग विशेषज्ञ एवं इंएण्टी विशेषज्ञ सहित अलग-अलग क्षेत्रों के चिकित्सक सेवाएं दे रहे हैं।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि मेगा हेल्थ कैंप में करीब 10 हजार लोगों के



स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को हाथ-पैर से संबंधित परेशानी है, कम दिखाई देता है या आंखों से संबंधित समस्या है, वे शिविर में पहुंचकर विशेषज्ञ चिकित्सकों से जांच एवं उपचार कराएं।

बड़े अस्पतालों से विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम चिरमिरी पहुंची

अनुसार शिविर के दौरान लोगों ने अंगदान और देहदान का संकल्प लिया है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि जरूरतमंद मरीजों के जीवन को बचाने में अंगदान महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने जरूरतमंद हितग्राहियों को छड़ी, श्रवण यंत्र, आयुष्मान कार्ड एवं टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत पोषण आहार का वितरण किया। वहीं एमसीबी स्वास्थ्य विभाग को 8 डेड बॉडी फ्रीजर भी दिए गए। शिविर में सेवाएं देने पहुंचे विशेषज्ञ चिकित्सकों को स्वास्थ्य मंत्री ने स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।

इस मौके पर सीएमएचओ डॉ। अविनाश खरे ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की पहल से चिरमिरी में इस तरह का मेगा हेल्थ कैंप आयोजित किया गया है, जिससे जिले के लोगों को अपने क्षेत्र में ही विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं मिल रही हैं। सीएमएचओ ने लोगों से शिविर में पहुंचकर स्वास्थ्य जांच कराने की अपील की।

बांकीमोंगरा में बनेगा बिजली विभाग का नया जोन कार्यालय

कोरबा। कोरबा जिले के अंतर्गत आने वाले महत्वपूर्ण औद्योगिक एवं आवासीय क्षेत्र बांकीमोंगरा में बिजली के उपभोक्ताओं के लिए राहत भरी खबर है। क्षेत्र में बिजली व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए सुविधाओं के विस्तार को हरी झंडी मिली है। उपभोक्ताओं की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करने के लिए अब बांकीमोंगरा में बिजली विभाग का नया जोन कार्यालय बनाया जाएगा। इस नए कार्यालय के बनने से स्थानीय स्तर पर बिजली संबंधी समस्याओं के समाधान में तेजी आएगी। नए जोन से बढ़ते विद्युत लोड और समस्याओं से मुक्ति मिलेगी।

बांकीमोंगरा क्षेत्र लगातार विकसित हो रहा है। जिसके कारण यहां बिजली की खपत और विद्युत लोड में लगातार बढ़ोतरी हुई है। हाल ही में क्षेत्र की बिजली आपूर्ति को बेहतर बनाने के लिए यहां 3 एमवीए के ट्रांसफार्मर को अपग्रेड कर 5 एमवीए क्षमता का नया ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है। जिससे बिजली क्षमता में सुधार हुआ है। अब बांकीमोंगरा में नया जोन कार्यालय स्थापित किए जाने का निर्णय लिया गया है।कार्यालय बनने से क्या होगा फायदा नया जोन कार्यालय बन जाने से लोकल फॉल्ट, ट्रांसफार्मर खराब होने की समस्या, और लाइन सुधार जैसे कार्यों में अनावश्यक देरी नहीं होगी।?स्थानीय उपभोक्ताओं को अपने बिजली बिल सुधार, नए घरेलू या व्यावसायिक कनेक्शन और अन्य कागजी कार्रवाई के लिए दूरदराज के दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। क्षेत्र के लोगों को अब छोटे-छोटे कार्यों के लिए भी अन्य बड़े कार्यालयों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, जिससे उनके समय और पैसे दोनों की बचत होगी।



मिलता है। किसी भी काम को समन्वय के साथ किया जाए, चाहे वह नृत्य हो या गीत, उसका प्रभाव अलग होता है। कलेक्टर ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति, यहां के नृत्य और नर्तक दलों की प्रस्तुति उन्हें बेहद अच्छी लगी और वे खुद को रोक नहीं पाए। उन्होंने नर्तक दल की फिटनेस की भी तारीफ करते हुए कहा कि नृत्य देखने में भले ही आसन लगता है, लेकिन उनके साथ कुछ देर नृत्य करने पर ही इसकी मेहनत और फिटनेस का अंदाजा हो जाता है। इसका संकल्प अभियान के शिविर में प्रशासन और ग्रामीणों के बीच संवाद के साथ स्थानीय संस्कृति की जीवंत झलक भी देखने को मिली।

संक्षिप्त समाचार

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने अस्पताल पहुंचकर जाना सड़क हादसे में घायलों का हाल

रायपुर। नेशनल हाईवे-30 स्थित मरकाटोला



घाट पर हुए दर्दनाक सड़क हादसे में घायल कवर्धा के लोगों से मिलने उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा रायपुर के पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय पहुंचे। उन्होंने घायलों का कुशलक्षेम जाना और उनके परिजनों से मुलाकात कर उपचार की स्थिति की जानकारी ली। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने घायल रोमन सोरा से मुलाकात कर उनसे स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने परिजनों से भी उपचार और अस्पताल में उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सुविधाओं के बारे में चर्चा की। परिजनों ने उपचार व्यवस्था पर संतुष्टि व्यक्त की। श्री शर्मा ने विशेषज्ञ चिकित्सकों से घायल के स्वास्थ्य और आगे के उपचार के पैरों का ऑपरेशन किया जाना है। शारीरिक स्थिति सामान्य होने के बाद आवश्यक चिकित्सकीय प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इस पर उप मुख्यमंत्री ने चिकित्सकों एवं संबंधित अधिकारियों को बेहतर उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अस्पताल सुपरिटेण्ट डॉ संतोष सोनकर, हड्डि रोग विशेषज्ञ डॉ सुंदरानी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

खेत में मिली मासूम के लिए आगे आए मंत्री अग्रवाल, उपचार और सुरक्षा के निर्देश

रायपुर। सरगुजा जिले के दरिमा क्षेत्र में खुले खेत में असहाय अवस्था में मिली नवजात बच्ची को खबर सामने आने के बाद पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने मामले का सज्ञान लेते हुए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से बच्ची के स्वास्थ्य और उपचार की जानकारी ली। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से फोन पर चर्चा कर नवजात की समुचित उपचार उपलब्ध कराने तथा उसकी सुरक्षित देखरेख सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।श्री अग्रवाल ने अधिकारियों से कहा कि इतनी छोटी बच्ची के उपचार और देखभाल में किसी भी स्तर पर कोई कमी नहीं होनी चाहिए। बच्ची को लगातार चिकित्सकीय निगरानी में रखते हुए आवश्यकता के अनुसार हर संभव चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए। साथ ही उसकी सुरक्षा और आगे के संरक्षण के लिए संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। घटना की जानकारी मिलने पर श्री अग्रवाल ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि एक नवजात बच्ची का इस तरह असहाय अवस्था में मिलना बेहद पीड़ादायक है। इस समय सबसे महत्वपूर्ण उसका जीवन, स्वास्थ्य और सुरक्षा है। बच्ची को केवल बेहतर उपचार ही नहीं, बल्कि सुरक्षित वातावरण और भविष्य के लिए आवश्यक संरक्षण भी मिलना चाहिए।

एंबुश टिकट चेकिंग के 191 मामलों से 1,12,800 राजस्व प्राप्ति

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल



मंडल में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ सुस्कर विपुल विलासराव के निर्देश पर हथबंद रेलवे स्टेशन पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। जिसमें स्टेशन के सभी प्लेटफार्म, एवं 8 ट्रेनों में एंबुश टिकट चेकिंग अभियान में कुल 191 मामलों को दर्ज कर 01,12,800 रुपए राजस्व प्राप्त किया गया। एंबुश टिकट चेकिंग में बिना टिकट यात्रा करने वाले 105 यात्री पकड़े गए, जिससे 72,930/- राजस्व प्राप्त हुआ। अनियमित टिकट लेकर यात्रा करने वाले 44 यात्रियों से 32070/- रूपये राजस्व प्राप्त हुआ, अधिक लगेज लेकर यात्रा करने वाले 40 यात्रियों से 4800/रुपए, गंदगी फैलाने वाले 01 मामलों से 1000/- रूपये, धूम्रपान के 01 मामले में 2000 रुपये राजस्व प्राप्त हुआ । इस टिकट चेकिंग का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को टिकट लेने के प्रति जागरूक करना था । इस टिकट चेकिंग अभियान में सहायक वाणिज्य प्रबंधक श्री अविनाश कुमार आनंद मंडल मुख्य टिकट निरीक्षक, मुख्य वाणिज्य निरीक्षक-टिकट चेकिंग सहित 15 टिकट चेकिंग स्टाफ, 02 रेलवे सुरक्षा बल के स्टाफ शामिल रहे।

नेहरुनगर अंडरब्रिज की एक लेन 5 से 6 दिन के लिये रहेगी बंद

रायपुर। रायपुर रेल मंडल नेहरू नगर अंडर ब्रिज क्रमांक 356ए (एलसी 443) के आवश्यक मरम्मत कार्य के निष्पादन हेतु उक्त अंडर ब्रिज में 5 अक्टूबर को प्रातः 08 बजे से 10 अक्टूबर की संध्या 18 बजे तक कार्य किया जाना प्रस्तावित है। मरम्मत कार्य के दौरान अंडर ब्रिज की दो लेनों में से एक लेन को अस्थायी रूप से बंद कर कार्य किया जाएगा। प्रथम लेन का कार्य पूर्ण होने के उपरांत दूसरी लेन पर कार्य किया जाएगा। इस प्रकार अंडर ब्रिज को पूर्णतः बंद नहीं किया जाएगा तथा यातायात एक लेन से नियंत्रित रूप से संचालित किया जाएगा।

गांधी जयंती पर प्रदेश स्तरीय खादी सम्मेलन एवं ग्रामोद्योग विकास प्रदर्शनी का होगा आयोजन

■ **ग्रामोद्योग मंत्री जगेंद्र यादव करेंगे अध्यक्षता में होगा शुभारंभ**

रायपुर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर 02 अक्टूबर को राजधानी रायपुर में प्रदेश स्तरीय खादी सम्मेलन एवं ग्रामोद्योग विकास की प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, जी.ई. रोड, रायपुर में प्रातः 11 बजे से आयोजित होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्रामोद्योग एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव करेंगे। इस अवसर पर प्रदेश सरकार के मंत्रीगण, सांसद, विधायक तथा खादी एवं ग्रामोद्योग से जुड़े विभिन्न संस्थानों और संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे।

मुख्यमंत्री श्री निष्णु देव साय के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा 02 अक्टूबर 2026 से 31 मार्च 2027 तक खादी वस्त्रों पर 25 प्रतिशत विशेष छूट दी जाएगी। इसी अवसर पर सेल्फी विद खादी अभियान का भी शुभारंभ किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य खादी को जन-जन तक पहुंचाने, स्थानीय कारीगरों और बुनकरों को प्रोत्साहित करने तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के आगमन और ग्रामोद्योग प्रदर्शनी के अवलोकन से होगी। इसके बाद चरखा प्रदर्शन, सोलर चरखा एवं लूम वितरण, दीप प्रज्वलन, वंदे मातरम्, राजनीतिक



गीत और सर्वधर्म प्रार्थना के पश्चात मंचीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। प्रदर्शनी में खादी एवं ग्रामोद्योग से जुड़े उत्पादों, गतिविधियों और ग्रामीण उद्यमिता की संभावनाओं को प्रदर्शित किया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के खादी उत्पादन केंद्र क्वैरगढ़, जिला रायपुर में नवनिर्मित भवन तथा अंबिकापुर में नवनिर्मित प्रीमियम सेल्स आउटलेट का वचुअल शुभारंभ किया जाएगा। हाथकरघा प्रभा द्वारा बस्तर के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में नवीन बुनाई प्रशिक्षण केंद्रों का शुभारंभ किया जाएगा। वहीं रेशम प्रभा द्वारा अमारी सिल्क ब्रांड और बस्तर संभाग में स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया जाएगा। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री अरुण

साव, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, वन मंत्री केदार कश्यप, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, वित्त मंत्री ओपी चौधरी, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, कौशल विकास एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री टंकराम वर्मा, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल, उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन, सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, विधायक राजेश मुण्णत, सुनौल मोतीलाल साहू,

अनुज शर्मा, पुरंदर मिश्रा, महापौर श्रीमती मीनल चौबे, अध्यक्ष खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड राकेश पाण्डेय सहित अन्य बोर्ड के अध्यक्ष अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रहेगी।

गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य खादी और ग्रामोद्योग को प्रोत्साहित करने के साथ ही इससे जुड़े कारीगरों, उद्यमियों और स्व-सहायता समूहों को व्यापक मंच प्रदान करना है। प्रदर्शनी के माध्यम से खादी एवं ग्रामोद्योग क्षेत्र की गतिविधियों, उत्पादों और संभावनाओं को आमजन के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।कार्यक्रम का आयोजन छत्तीसगढ़ खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड, रायपुर द्वारा किया जा रहा है, जबकि ग्रामोद्योग विभाग इसका प्रायोजक है।

बैलेट पेपर से चुनाव कराए जाने की मांग पर मंत्री टंकराम वर्मा का तंज

कहा- ईवीएम के जरिए कांग्रेस ने भी बनाई है सरकार

रायपुर। कांग्रेस की बैलेट पेपर से चुनाव कराए जाने की मांग पर कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा ने तंज कैसा है। उन्होंने कहा कि बैलेट पेपर का जमाना खत्म हो गया है। ईवीएम के उपयोग से कांग्रेस ने भी सरकार बनाई है। कांग्रेस को कोई नहीं समझा सकता, कांग्रेस समझने को तैयार ही नहीं है।

कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा ने मीडिया से चर्चा में कांग्रेस के आरोपों पर कहा कि ईवीएम से निष्पक्ष चुनाव होता है, रिजल्ट भी तुरंत आ जाता है। चाहे विधानसभा चुनाव हो, या लोकसभा चुनाव हो। सभी में ईवीएम का उपयोग होता है। ईवीएम में सही निर्णय आता है। वहीं कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि उनमें आपस में ही द्वंद्व चल रहा है।

उन्होंने कहा कि जब से 2023 विधानसभा चुनाव हारे हैं, तब से एक-दूसरे के ऊपर ठीकरा फोड़ रहे हैं। जब सरकार उनकी थी। मिल बांटकर



भ्रष्टाचार किए है। देखे हैं छत्तीसगढ़ में किस प्रकार से भ्रष्टाचार हुआ है। शराब, कोयला, पीएससी नाना प्रकार के घोटाले किए हैं, जिसमें सभी की सहभागिता रही थी। अब किसी को मिल नहीं रहा है तो आपस में लड़ रहे हैं।

बाद में प्रभावित लोगों को लेकर राजस्व-आपदा मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ के कई जिलों में अच्छी बारिश हुई है। बारिश के कारण कई जिलों का जनजीवन अस्त-व्यस्त हुआ है। कई लोग प्रभावित हुए हैं। जो स्थिति हुई है, उसमें कई मकान ढह गए

हैं, कई लोगों को क्षति हुई है। कुछ फसल और पुल-पुलिया भी उसमें बहे हैं।

मंत्री ने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री ने बस्तर का दौरा किया। मैंने भी तीन-चार जिले का दौरा किया है। इस बाद में मकान टूटे और कई फसल भी चपेट में आई है। बाद में आए प्रभावित लोगों को किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। इसका हमने ध्यान रखा है। जिला प्रशासन को बाद प्रभावित लोगों के लिए रहने-खाने की व्यवस्था कराने निर्देश दिए हैं।

टंक राम वर्मा ने कहा कि मैं भी सिचुएशन की मॉनिटरिंग कर रहा हूं। बाद में फंसे हुए लोगों की बात रही, तो अब पानी सामान्य हो गया है। हमारा राजस्व का अमला वहां जाएगा, और जो क्षति हुई है, उसका सर्वे करेगा। क्षति के हिसाब से प्रभावितों को मुआवजा राशि का वितरण किया जाएगा।

हर घर जल रिपोर्टेड गांवों में आज आयोजित होंगे जल अर्पण कार्यक्रम

रायपुर। जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर जल रिपोर्टेड ऐसे गांव जहां काम पूर्ण हो चुके हैं और 15 दिनों का सफल ट्रायल रन पूरा हो चुका है, उन गांवों में 2 अक्टूबर को गांधी जयंती पर जल अर्पण कार्यक्रमों का आयोजन कर पेयजल योजनाओं को संचालन के लिए ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित किए जाएंगे। जल जीवन मिशन को संचालक ने सभी कलेक्टरों को परिपत्र जारी कर इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं।

मिशन संचालक द्वारा कलेक्टरों को जारी परिपत्र में कहा गया है कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिले के ऐसे हर घर जल रिपोर्टेड ग्राम, जहाँ पेयजल आपूर्ति योजनाओं से



संबंधित कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण हो चुके हैं, किन्तु अब तक न तो उनका हर घर जल प्रमाणीकरण हुआ है और न ही संबंधित ग्राम पंचायत एवं समुदाय को योजनाओं का हस्तांतरण किया गया है, ऐसे सभी हर घर जल रिपोर्टेड ग्रामों में पेयजल आपूर्ति योजनाओं का न्यूनतम 15 दिनों का सफल ट्रायल रन पूर्ण करते हुए हर घर जल प्रमाणीकरण एवं जल अर्पण दिवस कार्यक्रम के माध्यम से योजनाओं को संबंधित

ग्राम पंचायत एवं समुदाय को निर्धारित हैंडओवर-प्रोटोकॉल के अनुसार विधिवत हस्तांतरण किया जाना है।

मिशन संचालक ने 2 अक्टूबर को ग्राम पंचायतों में आयोजित विशेष ग्राम सभा के दौरान अधिक से अधिक हर घर जल रिपोर्टेड ग्रामों में जल अर्पण कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जलापूर्ति योजनाओं के हस्तांतरण हेतु निर्धारित हैंडओवर-प्रोटोकॉल के अनुसार आवश्यक मापदंडों का पूर्व सत्यापन एवं नियमानुसार दस्तावेजीकरण समय-सीमा में पूर्ण करने को कहा है, ताकि विशेष ग्राम सभा में हस्तांतरण एवं प्रमाणीकरण की कार्यवाही सुचारू रूप से संपन्न हो सके।

महंगाई समेत कई मुद्दों पर भूपेश ने सरकार पर साधा निशाना

रायपुर। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गुरुवार को कई मुद्दों को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा। आरडीए जमीन विवाद, एलपीजी और दूध के बढ़ते दाम, आयुष्मान योजना में कार्रवाई, नगर निगम में अधिकारियों और महापौर के बीच विवाद, महानदी जल विवाद और धर्मांतरण जैसे मुद्दों पर उन्होंने सरकार से सवाल किया। इस दौरान उन्होंने मंत्री केदार कश्यप को लेकर भी पुराने परीक्षा प्रकरण का जिक्र करते हुए कई आरोप लगाए।

आरडीए की जमीन को लेकर पूछे गए सवाल पर भूपेश बघेल ने मंत्री केदार कश्यप पर निशाना साधते हुए पुराने परीक्षा प्रकरण का जिक्र किया। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार के दौरान केदार कश्यप की पत्नी की जगह किसी अन्य महिला के परीक्षा देने का मामला सामने आया था और उसे ले-देकर रफ्त-दफा कर दिया गया। बघेल ने कहा, केदार कश्यप मुश्किल से सांस लिए थे कि दूसरा कांड हो गया। हर बार केदार कश्यप ऐसा क्यों करते हैं

रसोई गैस और दूध की कीमतों में बढ़ोतरी को



लेकर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि महंगाई का असर अभी और बढ़ने वाला है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस और दूध के दाम बढ़ेंगे। बघेल ने सरकार पर महंगाई को रोकने के बजाय लोगों को सलाह देने का आरोप लगाया।

आयुष्मान योजना के तहत अस्पतालों पर हो रही कार्रवाई को लेकर भूपेश बघेल ने सवाल उठाया कि यदि अस्पतालों में लापरवाही हो रही थी तो सरकार तीन साल तक क्या कर रही थी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के लोग अपने विभाग का काम छोड़कर दूसरे मामलों में ज्यादा व्यस्त हैं। जमीन का काम, गलफंड को मकान दिलवाना और दूसरे कामों में लगे हैं। उन्होंने सरकार से अपने-अपने विभागों पर ध्यान देने की बात कही।

नगर निगम में अधिकारियों और महापौर के बीच चल रहे विवाद को लेकर भी भूपेश बघेल ने सरकार पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि यही सरकार का सुशासन है। बघेल ने कहा, आखिर ऐसा दुस्साहस क्यों हुआ? नेताओं की कमजोरी पकड़ लिए जाने के कारण ऐसी स्थिति बनी है।

महानदी जल विवाद को लेकर होने वाली बैठक पर भूपेश बघेल ने कहा कि मुख्यमंत्री को छत्तीसगढ़ के पक्ष में फैसला करवाना चाहिए। महानदी से जुड़े कई प्रोजेक्ट रुके हुए हैं। गर्मी के समय जगदलपुर में पानी की आपूर्ति के लिए भी महानदी से जुड़े जल संसाधन महत्वपूर्ण हैं।

साहू समाज द्वारा धर्मांतरण को लेकर जताई जा रही चिंता पर पूर्व मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि केवल गंभीर होने की बात करने से काम नहीं चलेगा, सरकार को ठोस कदम उठाने चाहिए। समाज अपनी ओर से कदम उठा रहा है, लेकिन सरकार की ओर से अपेक्षित कार्रवाई नहीं दिखाई दे रही। भूपेश बघेल ने तंज कसते हुए कहा, सरकार के कदम इतने ठोस हैं कि उठ ही नहीं रहे।

सेवा संकल्प अभियान ‘नागरिक विज्ञान’ से जैव विविधता संरक्षण में भागीदारी करेंगे युवा

रायपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत जशपुर वनमंडल में युवाओं, स्थानीय समुदायों और वन अमले को जलवायु परिवर्तन एवं जैव विविधता संरक्षण से जोड़ने के लिए जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में युवाओं को ‘नागरिक विज्ञान’ से जोड़ते हुए स्थानीय जैव विविधता के वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण और संरक्षण का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यक्रम में वन मुख्यालय रायपुर के विषय विशेषज्ञ डॉ. अनिल श्रीवास्तव और कृषि महाविद्यालय, अम्बिकापुर के रिसर्च एसोसिएट श्री यमलेश निषाद ने जलवायु परिवर्तन के कारणों और पर्यावरण एवं जैव विविधता पर उसके प्रभावों की जाकारी दी। उन्होंने बदलती जलवायु परिस्थितियों में वन

पारिस्थितिकी तंत्र के प्रभावी प्रबंधन और जैव विविधता संरक्षण के विभिन्न पहलुओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

फाउंडेशन फॉर इकोलॉजिकल सिक्यूरिटी, रायपुर की ‘युवान’ पहल के माध्यम से युवाओं को स्थानीय जैव विविधता के वैज्ञानिक अवलोकन और दस्तावेजीकरण की प्रक्रिया समझाई गई। ‘मेरा युवा भारत’, जशपुर के स्वयंसेवकों ने भी इसमें भागीदारी की। प्रशिक्षण के दौरान पक्षियों, तितलियों और सरीसृपों के पारिस्थितिक महत्व तथा उनके संरक्षण के संबंध में जानकारी दी गई। प्रकृति भ्रमण और बर्ड वाचिंग के माध्यम से प्रतिभागियों को स्थानीय वनस्पतियों एवं जीव-जंतुओं की पहचान, क्षेत्रीय अवलोकन और उनके अभिलेखीकरण का व्यावहारिक अनुभव भी मिला। कार्यक्रम में जशपुर के वनमंडलाधिकारी श्री शशि कुमार उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में तेन्दूपत्ता संग्राहक परिवारों के लिए बड़ी राहत

राजमोहिनी देवी योजना के तहत 169 परिवारों को 2.42 करोड़ रुपए जारी

रायपुर। प्रदेश के तेन्दूपत्ता संग्राहक परिवारों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में राजमोहिनी देवी तेन्दूपत्ता संग्राहक सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत 169 परिवारों को 2 करोड़ 42 लाख 40 हजार रुपए की सहायता प्रदान की गई है। वन मंत्री श्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ द्वारा सहायता राशि सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों में डिजिटल माध्यम से अंतरित की गई।

रायगढ़ जिले के चिमटापानी समिति के मिथिलेश सिदार और दत्तेवाड़ा जिले के नकुलनार समिति के गल्ले वीटी के बैंक खातों में राशि अंतरित कर डिजिटल भुगतान की शुरुआत की गई।योजना के तहत दुर्घटना मृत्यु के 4 प्रकरणों में 4-4 लाख रुपए तथा सामान्य मृत्यु या स्थायी विकलांगता के 103



प्रकरणों में 2-2 लाख रुपए की सहायता स्वीकृत की गई। इसी तरह 50 से 59 वर्ष आयु वर्ग में दुर्घटना मृत्यु या स्थायी विकलांगता के 4 प्रकरणों में 75-75 हजार रुपए और सामान्य मृत्यु के 58 प्रकरणों में 30-30 हजार रुपए की सहायता प्रदान की गई।

राजमोहिनी देवी तेन्दूपत्ता संग्राहक सामाजिक सुरक्षा योजना में 18 से 50 वर्ष आयु वर्ग में परिवार के मुखिया की सामान्य मृत्यु या स्थायी विकलांगता पर 2 लाख रुपए, दुर्घटना मृत्यु पर 4 लाख रुपए तथा आंशिक विकलांगता पर एक लाख रुपए

की सहायता का प्रावधान है।

इसी प्रकार 50 से 59 वर्ष आयु वर्ग में सामान्य मृत्यु पर 30 हजार रुपए, दुर्घटना मृत्यु या स्थायी विकलांगता पर 75 हजार रुपए तथा आंशिक विकलांगता पर 37 हजार 500 रुपए की सहायता दी जाती है। योजना के माध्यम से तेन्दूपत्ता संग्रहण से जुड़े परिवारों की मृत्यु अथवा विकलांगता जैसी परिस्थितियों में सीधे आर्थिक सहायता उपलब्ध कराकर सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जा रही है।

राज्य लघु वनोपज संघ के मुख्य कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में संघ के अध्यक्ष श्री रूपसाय सलाम, उपाध्यक्ष श्री यज्ञदत्त शर्मा और प्रबंध संचालक श्रीमती संजीता गुप्ता की उपस्थिति में राशि जारी की गई।

बस्तर ओलंपिक के लिए पंजीयन शुरू, नवंबर में होगा विकासखंड स्तरीय आयोजन

रायपुर। बस्तर क्षेत्र के युवाओं को मुख्य धारा से जोड़ने, उनकी रचनात्मकता एवं खेल प्रतिभा को निखारने और उन्हें अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराने बस्तर ओलंपिक के तीसरे संस्करण के लिए एक अक्टूबर से पंजीयन प्रारंभ होगा। तीन चरणों में आयोजित होने वाले बस्तर ओलंपिक के विकासखंड स्तरीय आयोजन नवंबर में होंगे। खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने बस्तर संभाग के आयुक्त और सभी जिलों के कलेक्टरों को बस्तर ओलंपिक के आयोजन का व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ियों को इसमें भाग लेने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए हैं।

बस्तर ओलंपिक में जूनियर वर्ग में 14 से 17 वर्ष आयु के बालक-बालिकाएं तथा सीनियर वर्ग में महिला एवं पुरुष प्रतिभागी हिस्सा ले सकेंगे।



पर सुनिश्चित की जाएगी।

बस्तर ओलंपिक के तहत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिए 1 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक पंजीयन किए जाएंगे। नवम्बर और दिसम्बर में विकासखंड, जिला और संभाग स्तर पर इनके चरणबद्ध आयोजन होंगे। विकासखंड स्तर की प्रतियोगिताएं 1 नवम्बर से 13 नवम्बर तक, जिला स्तर की प्रतियोगिताएं 16 नवम्बर से 25 नवम्बर तक तथा संभाग स्तर की प्रतियोगिताएं 7 दिसम्बर से 11 दिसम्बर तक प्रस्तावित हैं। बस्तर ओलंपिक के अंतर्गत एथलेटिक्स में 100 मीटर, 200 मीटर एवं 400 मीटर दौड़, लंबी कूद,

ऊंची कूद, शॉटपुट, डिस्कस थ्रो, जैवलिन थ्रो और 4×100 मीटर रिले रेस शामिल हैं। तीरंदाजी (30 मीटर एवं 50 मीटर), बैडमिंटन, फुटबॉल, कराते, कबड्डी, खो-खो और वॉलीबॉल की भी स्पर्धाएं होंगी। हॉकी एवं वेटलिफ्टिंग का आयोजन सीधे जिला स्तर पर किया जाएगा। वहीं सीनियर महिला वर्ग के लिए रस्साकशी को प्रदार्शात्मक खेल के रूप में शामिल किया गया है। बस्तर के युवाओं को मुख्य धारा से जोड़ने, उनकी रचनात्मकता एवं खेल प्रतिभा को पहचान कर खिलाड़ी के रूप में तैयार करने वर्ष 2024 में राज्य शासन द्वारा बस्तर ओलंपिक के पहले संस्करण का आयोजन किया गया था। पहले संस्करण में एक लाख 65 हजार खिलाड़ियों ने भागीदारी की थी। वहीं वर्ष 2025 में आयोजित दूसरे संस्करण में 3 लाख 91 हजार खिलाड़ियों ने पंजीयन कराया था।

राज्य शासन ने जनरेशन कंपनी एमडी कटियार का कार्यकाल 31 मार्च तक बढ़ाया

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक संजीव कुमार कटियार के कांकाळ में राज्य शासन ने पुनः वृद्धि की है। वे ऊर्जा विभाग द्वारा इस संबंध में जारी आदेश में उनके कार्यकाल में 31 मार्च तक वृद्धि की गई है। कटियार के कार्यकाल की प्रमुख उपलब्धियों में वित्त वर्ष 2023-24 में एबीवीटीपीएस मारवा के प्लांट लोड फैक्टर (पीएलएफ) को 49 प्रतिशत से बढ़ाकर 84.4 प्रतिशत करना उल्लेखनीय है। इसके परिणामस्वरूप छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी 33 राज्य

जनित निगमों में प्रथम स्थान पर रही। इसी तरह कोरबा पश्चिम ताप विद्युत संयंत्र में जटिल स्टेशन नियंत्रण एवं इंस्ट्रूमेंटेशन सिस्टम के नवीनीकरण का कार्य महज 46 दिनों में पूरा किया गया।

मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक कटियार प्रमाणित उर्जा लेखा परीक्षक हैं तथा उन्होंने प्रबंधन में डिप्लोमा भी प्राप्त किया है। उनकी कार्यशैली में स्पष्ट दिशा-निर्देश, टीम को प्रेरित करना और अधिकारियों-कर्मचारियों को जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के लिए सशक्त बनाना प्रमुख है।

मतदाता उपनिवेशवाद से जूझता चुनाव आयोग

रवि रमेशचंद्र/यदुनाथ देशपांडे

मतदाता लोकतंत्र की आत्मा है। एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए उसकी आत्मा की शुचिता, पारदर्शिता और शुद्धता आवश्यक है। एक दूषित मन, सारे शरीर और वातावरण को दूषित कर देता है। आज दुनिया में एक नए किस्म का मतदाता उपनिवेशवाद देखने को मिल रहा है। ये किसी देश में अपने लोगों को निवासी बनाकर उन्हें कानूनी रूप से मतदाता, प्रत्याशी और संवैधानिक पदों पर कब्जा करने के माध्यम से होता है। इसमें चीन और मुस्लिम आबादी वाले देश अग्रणी हैं। किसी भी देश में मतदान का अधिकार सिर्फ उन्हीं है, जो कानूनी रूप से इसके पात्र हैं। लेकिन बाहर से आए लोग मतदाता बनकर, संवैधानिक आड़ में देश को भीतर से खोखला बना देते हैं। इसी को मतदाता साम्राज्यवाद कहा जाता है। इससे लोकतंत्र को लोकतांत्रिक तरीके से नष्ट किया जा सकता है। प्रश्न यह भी है कि बीते 2 दशकों से भारत में कभी सुप्रीम कोर्ट, कभी संसद, कभी चुनाव आयोग को निशाना बनाया जा रहा है। क्या इसमें कोई बाहरी शक्ति भी है जो देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर हमला कर रही है? भारत निर्वाचन आयोग एक स्वायत्त संवैधानिक प्राधिकरण है जो भारत में संघ एवं राज्य निर्वाचन प्रक्रियाओं का संचालन करने के लिए उत्तरदायी है। यह निकाय भारत में लोक सभा, राज्य सभा, राज्य विधान सभाओं, देश में राष्ट्रपति एवं उप-राष्ट्रपति के पदों के लिए निर्वाचनों का संचालन करता है। अनुच्छेद 324 ‘एक स्वतंत्र और स्वायत्त चुनाव आयोग की नियुक्ति’ की व्यवस्था करता है। वहीं अनुच्छेद 325 के अनुसार, किसी भी व्यक्ति को केवल धर्म, नस्ल, जाति या लिंग के आधार पर मतदाता सूची से बाहर नहीं रखा जा सकता। अनुच्छेद 324 में यह उपबंध है- लोकसभा और प्रत्येक राज्य की विधान सभा के निर्वाचन, वयस्क मताधिकर के आधार पर होंगे; भारत का प्रत्येक नागरिक जिसकी आयु इस संबंध में विधि द्वारा यथानिर्धारित तिथि को 18 वर्ष से कम न हो और जो अन्यथा अयोग्य घोषित न किया गया हो, ऐसे किसी भी निर्वाचन में मतदाता के रूप में पंजीकृत होने का हकदार होगा। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324, 325 और 326 चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सूची संबंधी प्रक्रिया का उल्लेख स्पष्ट है। मतदाता सूची को तैयार करना, उसका पुनर्निरीक्षण और त्रुटियां पाए जाने पर शुद्धिकरण भी होना आवश्यक है। जब किसी देश में बाहर से अवैध रूप से घुसपैठ किए लोग हो जाते हैं, तो वह के लोकतंत्र की वैधता संकट में आ जाती है। धीरे-धीरे चुनाव लड़कर ये देश के कानून और प्रशासन को भी प्रभावित करते हैं। इसलिए मतदाता सूची का अचूक और अद्यतन रहना जरूरी है। अभी तक एक से अधिक स्थान पर वोटर के रूप में नाम, या मृतकों के नाम न कटने, नए नाम जुड़ने में अनियमितता जैसे विषय आते रहे हैं, जिससे ‘एक व्यक्ति, एक मत’ की धारणा को नुकसान पहुंचता है। इससे लोकतंत्र में प्रतिनिधि चुनाव प्रक्रिया बिल्कुल अशुद्ध और अस्वस्थ हो जाती है। इसलिए समाज और खासतौर से राजनीतिक दलों को मतदाता सूची को शुद्ध और पारदर्शी रखने में चुनाव आयोग का सक्रिय सहयोग करना चाहिए। आज बूथ लूटने और फर्जी मतदाताओं के जरिए चुनाव जीतने का दौर बीत चुका है। यह भी स्मरण रहे यूरोप के देशों में लाखों की संख्या में अवैध लोग घुसपैठ करके रहने लगे हैं। धीरे-धीरे वे वहां मतदाता और नागरिक बने। फिर चुनाव लड़कर वहां की लोकतांत्रिक व्यवस्था में भी घुसपैठ कर चुके हैं। जिसका परिणाम आज ब्रिटेन, जर्मनी, स्वीडन, नार्वे, फ्रांस, स्पेन, नीदरलैंड जैसे देश भुगत रहे हैं। इसलिए भारत में अवैध घुसपैठियों को मतदाता बनने से रोकने के लिए कठोर कदम उठाने होंगे।

भारतीय दार्शनिक सम्प्रदाय

11- भारतीय दर्शन और योग

गतांक से आगे...

पहिले अर्थ के अनुसार योग किसी अलौकिक तत्त्व से जोड़ने वाला साधन होता है और दूसरे अर्थ के अनुसार योग ध्यान या समाधि का नाम होगा जिसके द्वारा साधक अलौकिक तत्त्व से जुड़ता है। पातञ्जलयोगसूत्र के भाष्यकार व्यास ने योग को इस दूसरे अर्थ में ही लिया है।

योग की प्रक्रिया में यह समझा गया है कि हम ध्यान के द्वारा ही अलौकिक तत्त्व का साक्षात्कार कर सकते हैं।

परतु योग के दार्शनिक सिद्धान्त क्या हैं, यह प्रश्न महत्त्वपूर्ण है। वर्तमान पातञ्जल योगसूत्र दार्शनिक क्षेत्र में सांख्य के सिद्धान्तों पर आश्रित है; उसके अपने कोई दार्शनिक सिद्धान्त नहीं हैं। इसी लिये योग और सांख्य को साथ साथ लिया जाता है। परन्तु योग का क्या केवल सांख्य के दार्शनिक सिद्धान्तों से ही सम्बन्ध है? यथार्थ बात यह है कि प्रत्येक भारतीय

दर्शन (चार्वाक और पूर्वमीमांसा को छोड़कर) यह मान कर ही चलता है कि जिस तत्त्वज्ञान की ओर वह निर्देश करता है उसकी साक्षान् अनुभूति योग ही के द्वारा होती है। वेदान्त में तत्त्वज्ञान होने से पूर्व योग के अभ्यास को आवश्यक माना गया है। इसीलिये वेदान्तग्रन्थों में योग का निरूपण किया गया है। इसी प्रकार न्याय-वैशेषिक का भी योग से सम्बन्ध रहा है। यहां तक कि न्याय के वात्स्यायनभाष्य में न्याय-वैशेषिक दर्शन के लिये योग या योग शब्द आया है, जिसको बहुत दिन तक नहीं समझा गया था। इसी तरह जैन धर्म या जैन दर्शन में भी योग को प्रक्रिया पर जोर दिया गया है।

जहां तक बौद्ध दर्शन का प्रश्न है उसके विषय में तो डा. ली. वाली पुसिन ने लिखा था कि प्रारम्भ में बौद्धदर्शन योग या जादू की प्रक्रिया के अभ्यास के सिवाय कुछ भी न था।

क्रमशः ...



ज्ञान/मीमांसा

एनडीए से अलग होकर अब योगी से भिड़ेंगे मोदी के हनुमान?

अभिनय आकाश

मुझे शर्म आती है कि मैं इस सरकार के साथ हूँ... प्रशासन पूरी तरह निकम्मा हो चुका है। यह किसी विपक्षी नेता का हमला नहीं, बल्कि केंद्र सरकार में मंत्री और खुद को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हनुमान कहने वाले चिराग पासवान का खुला ऐलान-ए-जंग है। बिहार में बेलगाम अपराध और हालिया वारदातों पर चिराग के इन तल्ख तेवरों ने सुबे से लेकर दिल्ली तक के सियासी गलियारों में भूचाल ला दिया है। हैरानी इसलिए भी है क्योंकि जिस सरकार पर वह सवाल उठा रहे हैं, उसमें चिराग खुद हिस्सेदार हैं। जिस प्रशासन को वो निकम्मा बता रहे हैं, उसकी कमान सीधे सीएम और गृह मंत्री सम्राट चौधरी के हाथों में है। वही सम्राट चौधरी, जिन्हें सत्ता के शीर्ष तक पहुंचाने में चिराग का कंधा भी लगा था। ऐसे में बड़ा सवाल यही उठता है कि आखिर चिराग पासवान के मन में पक क्या रहा है? क्या यह सम्राट चौधरी के खिलाफ सत्ता के भीतर से शुरू हुई कोई सुनियोजित घेराबंदी है? या फिर इसकी पटकथा 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को देखते हुए लिखी जा रही है? क्या बिहार में दबाव बनाकर चिराग यूपी में बीजेपी से अपनी शर्तों पर गठबंधन की जमीन तलाश रहे हैं? अपनों पर ही चिराग का यह तीखा वार महज कानून-व्यवस्था पर गुस्सा है, या फिर एनडीए के भीतर किसी बड़े सियासी खेल की शुरुआत? आइए आज इस बग़ावती तेवर के पीछे की रणनीति का एमआरआई स्कैन करते हैं।

26 सितंबर को सिटी पोस्ट के कॉनक्लेव में चिराग पासवान पहुंचे थे। उनसे सवाल पूछा गया क्या आप मानते हैं कि बिहार में अपराधी बेखोफ हैं। दलित सुरक्षित नहीं है। बेटियां सुरक्षित नहीं है। इस पर चिराग पासवान का जवाब था कोई भी सुरक्षित महसूस नहीं कर पा रहा है। आज की तारीख में। यह चिंता हमारी सरकार की है। एक सहयोगी और सरकार का हिस्सा होने के नाते मैं खुद इस सवाल से नहीं भाग सकता हूं। मुझे खुद शर्मिंदगीगी होती है जब मैं सोचता हूं कि मैं एक ऐसी सरकार के साथ हूं जहां ऐसी घटनाएं हो रही हैं। यह चिंता का विषय है और इसको कतई हम लोग हल्के में जाने नहीं दे सकते। चिराग ने आगे कहा राष्ट्रीय स्तर पर मेरे बिहार की छवि कैसी जा रही है? हमारे बिहार की बेटियों में सोचिए कैसे डर और असुरक्षा का माहौल उत्पन्न हो गया है। आज की तारीख में कोई बच्ची मुझे बता दीजिए जो शाम को निकलने से पहले 100 बार ना



सोचती होगी। तो ऐसे में जिस सरकार का मैं हिस्सा हूं मेरी वह सरकार एक्ससे ऑफ़ सिक्योरिटी ना दे पाए यह तो मैं स्वीकार नहीं करूंगा। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार में मंत्री चिराग पासवान के बयान का टोन नया नहीं है। बिहार में यह टोन बहुत पुराना है। उन्हीं के गठबंधन के सबसे बड़े नेता नरेंद्र मोदी खुद इसी टोन में बयान देते रहे हैं। गृह मंत्री अमित शाह इस टोन का इस्तेमाल करते रहे हैं। ऐसे शब्दावली का इस्तेमाल करते रहे हैं। पूरी बीजेपी इसी भाषा में राष्ट्रीय जनता दल यानी आरजेडी, लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव को निशाना बनाती रहती है। हमले किए जाते हैं कि लालू राज में बिहार में सूर्यास्त के बाद कोई घर से निकल नहीं पाता था।

चिराग उस गठबंधन का हिस्सा हैं जो बिहार में सरकार चला रही है। लोजपा रामविलास के 19 विधायक हैं। सम्राट चौधरी की सरकार में पार्टी के दो मंत्री भी हैं। लोकसभा में पार्टी के पांच सांसद हैं। केंद्र सरकार में एक मंत्री भी हैं जो कि खुद चिराग पासवान हैं। लेकिन बिहार में बढ़ते क्राइम पर उनकी चिंता अब तक सिर्फ बयानों में ही दिखी है। लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने एक्स पर लिखा है इस्तीफा देने के लिए किस शुभ मुहूर्त का इंतजार कर रहे हैं चिराग पासवान शर्म का बोझ उठाकर भी सत्ता का हिस्सा बने रहना कोई चिराग पासवान जी से सीखे। बहन बेटियों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह से असुरक्षित हो चुके बिहार की वजह से जब सरकार का हिस्सा होने में उन्हें शर्मिंदगीगी महसूस हो ही रही है तो इस्तीफा देने की हिम्मत कौन से मुहूर्त के इंतजार में रूकी हुई है। चिराग पासवान के बयान की वजह से सम्राट चौधरी या उनकी सरकार की कार्यशैली खास बदलती दिख तो नहीं रही है या उनके बयान का लोड लेते हुए भी सम्राट चौधरी नहीं दिख रहे हैं। चिराग बीजेपी पर अटक करके उसे बेवजह तो नाराज नहीं ही करना चाहेंगे। दिल्ली का समन उन्हें क्यों चाहिए? तो क्या यह कहीं पर निगाहें और

कहीं पर निशाना वाला मामला है। इसे समझने के लिए 2025 बिहार चुनाव से ऐन पहले के वक्त को देखना होगा। जून जुलाई के महीने में एक के बाद एक चिराग के बयान आ रहे थे। लगातार नीतीश कुमार के नेतृत्व में चल रही सरकार को टारगेट कर रहे थे। यहां तक कह गए कि बिहार में ऐसा लगता है कि पुलिस प्रशासन ने अपराधियों के सामने सरेंडर कर दिया है। तब भी चिराग पासवान यही कह रहे थे कि उन्हें एक ऐसी सरकार का समर्थन करने पर दुख है। तब इन बयानों का विश्लेषण हुआ कि यह सब सीट शेयरिंग के टेबल पर जाने की तैयारी है। प्रेशर क्रिएट किया जा रहा है ताकि लोजपा रामविलास को ज्यादा से ज्यादा सीटें एनडीए में मिल सके।

हुआ यह कि जब नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने तो उन्होंने दलित और महादलित दो कैटेगरी बंट दिया और जिसकी वजह से किसी जमाने में दलितों की राजनीति करने वाले रामविलास पासवान सिर्फ पासवान के नेता बनकर रह गए क्योंकि बाकी महादलितों के नेता या तो नीतीश कुमार हो गए या जीतन राम मांझी हो गए। वो दर्द आज भी पासवान की पार्टी को है कि पूरी राजनीतिक जमा पूंजी खत्म कर दी। अब वो मजबूरी है। रहना तो एनडीए में ही है। जा भी नहीं सकेंगे क्योंकि सत्ता सबको अच्छी लगती है। मलाई खाना सबको अच्छा लगता है। लेकिन स्टेटमेंट देकर दबाव बनाने की कोशिश है। चिराग पासवान फिर 2025 वाली भाषा का इस्तेमाल करने लगे हैं। कह रहे हैं कि उन्हें दुख और शर्मिंदगीगी महसूस हो रही है कि वह एक ऐसी सरकार का समर्थन कर रहे हैं जो बिहार में सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर पा रही। लेकिन अब किस चुनाव में सीट शेयरिंग के टेबल पर बारगेनिंग करना चाहते हैं चिराग पासवान। यूपी में चुनाव होने वाले हैं। जहां चिराग पासवान चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। वह पार्टी का विस्तार करना चाहते हैं। तो चुनाव में अपनी पार्टी के लिए ज्यादा से ज्यादा सीटें मांगेंगे। पिछले बिहार चुनाव में भी सीट लेने के लिए नीतीश कुमार पर अटक कर रहे थे। चिराग पासवान एक अच्छे बारगेनर हैं। इसलिए यूपी का चुनाव भी एक फैक्टर है।

उत्तर प्रदेश में विधनसभा चुनाव वैसे तो अगले बरस है, लेकिन राजनीतिक दलों की ओर से तैयारियां तेज हो चली हैं। इस बार चुनावी मैदान में बिहार की पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) भी उतरने की तैयारी में है। पार्टी

प्रमुख और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने प्रयागराज में यूथ बोले तो कार्यक्रम के जरिए विधानसभा चुनाव के लिए अभियान का आगाज किया है। पार्टी ने साफ किया है कि उनकी तैयारी सभी 403 सीटों पर चल रही है। प्रयागराज से चिराग पासवान के ऐलान ने प्रदेश में राजनीतिक हलचल को तेज किया है। दरअसल, लोजपा (रामविलास) केंद्र और बिहार में एनडीए के साथ है। वहीं, यूपी चुनाव में पार्टी की तैयारी भाजपा को टक्कर देने की है। चिराग ने तो यह तक कह दिया है कि गठबंधन हो या ना हो उनकी पार्टी यूपी चुनाव लड़ेगी जरूर। यह बयान सुनते ही पॉलिटिक्स पर नजर रखने वालों को 2020 का बिहार चुनाव याद आ सकता है। जब खुद चिराग ने कहा था कि एनडीए गठबंधन में उन्हें 15 सीटें दी जा रही थी। उन्होंने नीतीश कुमार से भी नाराजगी जाहिर की थी तब जिसकी वजह से चिराग पासवान ने अकेले ही बिहार चुनाव में उतरने का निर्णय किया था। वह उतरे भी चुनाव लड़ेंगे उन्हें जीत तो हासिल नहीं हुई लेकिन उनकी वजह से जदयू को ठीक-ठाक नुकसान हो गया। नतीजों के बाद कहा गया कि चिराग जिस मिशन पर निकले थे यानी निकाले गए थे वह आखिरकार पूरा हुआ। यानी कम सीटें चिराग पासवान के लिए किसी गठबंधन में साथ रहने के नजरिए से रेड फ्लैग है।

28 सितंबर को प्रयागराज में आयोजित %यूथ बोले तो% संवाद कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान बिल्कुल जुदा अंदाज में नजर आए। पारंपरिक राजनीतिक पहनावे को छोड़ वे कैजुअल जींस और टी-शर्ट में युवाओं के बीच पहुंचे। मंच से नौजवानों के साथ शिक्षा, रोजगार, स्कूल डेवलपमेंट और राजनीति में युवाओं की सक्रियता पर खुलकर चर्चा करते हुए उन्होंने बड़ा सियासी ऐलान किया। चिराग ने साफ लफ्जों में कहा कि इसमें किसी को कोई संदेह नहीं होना चाहिए।लोजपा (रामविलास) पूरी मजबूती के साथ उत्तर प्रदेश का 2027 विधानसभा चुनाव लड़ेगी। हालांकि जिस यूपी में बीजेपी, निषाद पार्टी, सुभाजपा और आरएलडी को उनकी मांग के मुताबिक सीटें देने के मूड में नहीं है, वहां एक नया बटाईदार पार्टी को क्यों ही पसंद आएगा? यह अब तक तो तय नहीं है। पता चला है कि मामला सीटों को लेकर ही फंस सकता है। लेकिन चिराग अपनी ओर से पूरा जोर लगा रहे हैं।

महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलकर लड़ी थी आजादी की लड़ाई

अनन्या मिश्रा

महान स्वतंत्रता सेनानी और 19वीं सदी के सबसे सम्मानित राजनेता राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का 02 अक्तूबर को जन्म हुआ था। महात्मा गांधी के त्याग और देश की आजादी में उनके अहम योगदान के लिए उनको राष्ट्रपिता का दर्जा दिया गया। वहीं देश के लोग उनको प्यार से बापू कहकर पुकारते हैं। महात्मा गांधी के करिश्माई नेतृत्व के कारण ही भारत में 200 सालों से राज कर रही ब्रिटिश हुकूमत को भारत छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। गुजरात के पोरबंदर में 02 अक्तूबर 1869 को महात्मा गांधी का जन्म हुआ था। उनका पूरा नाम मोहनदास करमचंद गांधी था। इनके पिता का नाम करमचंद गांधी और मां का नाम पुतलीबाई था। वहीं महज 13 साल की उम्र में महात्मा गांधी की शादी



कस्तूरबा से कर दी गई। कस्तूरबा गांधी ने स्वतंत्रता आंदोलन में गांधीजी का पूरा सहयोग किया था।

महात्मा गांधी की ताकत सत्य और अहिंसा के सिद्धांत थे। उन्होंने सत्य और अहिंसा का मार्ग अपनाकर आजादी की लड़ाई में कई आंदोलन किए। महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन, भारत छोड़ो आंदोलन, चंपारण सत्याग्रह, दांडी सत्याग्रह ने ब्रिटिश साम्राज्य की नींव कमजोर करने में अहम रोल अदा किया था।

देश की आजादी के बाद भी महात्मा गांधी ने सामाजिक और आर्थिक सुधार के लिए कई काम किए। वह देश की शांति और सौहार्द को बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहे। उन्होंने लोगों को संयम,

सच्चाई और अहिंसा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।

महात्मा गांधी ने अपना पूरा जीवन सादगी के साथ जिया। क्योंकि उनका मानना था कि सादगी की जीवन का असली सौंदर्य है। वह एक धोती पहनकर पदयात्रा करते थे और आश्रम में रहते थे। महात्मा गांधी के इसी सादगीपूर्ण जीवन से प्रभावित होकर लोगों ने उनको बापू कहना शुरूकर दिया था।

बता दें कि सबसे पहले सुभाष चंद्र बोस ने महात्मा गांधी को राष्ट्रपिता का सम्मान दिया था। सुभाष चंद्र बोस ने गांधी जी को यह उपाधि इसलिए दी थी, क्योंकि वह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख नेता था और उन्होंने ब्रिटिश हुकूमत से आजादी

पाने के लिए पूरे देश को एकजुट करने का काम किया था।

भारत को स्वतंत्रता मिलने के पश्चात इस बात पर गहन चिंतन किया गया कि अब कैसा भारत बनाना चाहिए। महात्मा गांधी की इस बारे में स्पष्ट कल्पना थी। वे कहते थे कि मैं एक ऐसे भारत का निर्माण करना चाहता हूँ जिसमें शराब जैसी बुराई का नामोनिशान न हो, जहां समाज में भेदभाव न हो, गौहत्या पाप हो और रामराज्य स्थापित हो। गांधी जी की दृष्टि में भविष्य के भारत की बुनियाद में पुरातन और सांस्कृतिक मानबिन्दुओं का समावेश था। वे जानते थे कि इसके बिना भारत नहीं, क्योंकि भारत का आधार ही राम है।

देश की आजादी के कुछ समय बाद नाथुराम गोडसे ने 30 जनवरी 1948 को महात्मा गांधी की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

आज का इतिहास

- 1492 ब्रिटेन के किंग हेनरी सप्तम ने फ्रांस पर आक्रमण किया ।
- 1924 राष्ट्रसंघ को शक्तिशाली बनाने के उद्देश्य से लाया गया जेनेवा प्रस्ताव 1924 महासभा द्वारा स्वीकृत हुआ किंतु बाद में उसकी पुष्टि नहीं हुई।
- 1951 श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारतीय जनसंघ की स्थापना की।
- 1952 सामुदायिक विकास कार्यक्रम की शुरुआत हुई।
- 1961 बम्बई (अब मुंबई) में शिपिंग कारपोरेशन ऑफ इंडिया का गठन ।
- 1971 तत्कालीन राष्ट्रपति वी.वी. गिरि ने गांधी सदन के नाम से प्रसिद्ध बिड़ला हाउस देश को समर्पित किया। यहीं पर महात्मा गांधी की हत्या हुई थी।
- 1982 तेहरान में बम विस्फोट से 60 मरे, 700 घायल।
- 1983 नील किन्नक ब्रिटिश लेबर पार्टी के नेता चुने गए।
- 1985 दहेज निषेधाज्ञा संशोधन अधिनियम अस्तित्व में आया।
- 1987 डेनमार्क समान लिंग वाले जोड़ों के बीच नागरिक संघों को वैध बनाने वाला पहला देश बन गया।
- 1988 कोरिया के सिओल में 24वें ओलंपिक खेलों का समापन।
- 1988 तमिलनाडु में मंडयम और पम्बन के बीच समुद्र के ऊपर सबसे लंबा पुल खुला।
- 1996 बुल्गारिया के पूर्व प्रधान मंत्री एंड्री लुकानोव की हत्या कर दी गई।
- 2000 रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन भारत की चार दिवसीय यात्रा दिल्ली पहुंचे।
- 2001 19 देशों के संगठन नाटो ने अफ़्गानिस्तान पर हमले के लिए हरी झंडी दी।
- 2003 हंगरी के प्रधानमंत्री पीटर मैडगेसे भारत की यात्रा पर आये।
- 2004 संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने काँगों में 5900 सैनिक भेजने का प्रस्ताव मंजूर किया।
- 2004 अमेरिकी समोआ उत्तर अमेरिकी क्रमांकन योजना में शामिल हुआ।
- 2005 खगोलविदों, जिन्होंने एरिस की खोज की थी, कि नासा को दसवें ग्रह के रूप में संदर्भित करता है, ने कहा है कि इसमें एक चंद्रमा, डायसोनमिया है।
- 2006 दक्षिण अफ्रीका ने परमाणु ईंधन आपूर्ति मामले पर भारत को समर्थन देने का फैसला किया।
- 2006 जॉर्जिया में घुसपैठियों के रूप में गिरफ्तार किए गए चार रूसी अधिकारियों को रिहा कर दिया गया है।
- 2007 ग्रीष्मकालीन विशेष ओलंपिक शंघाई, चीन में शुरू हुआ।
- 2007 उत्तर व दक्षिण कोरिया के बीच दूसरी शिखर बैठक सम्पन्न हुई।

आजाद भारत के इतिहास में चुनाव आयोग का निकृष्टतम दौर

निर्मल रानी

1990–1996 के दौर में भारत के 10 वें मुख्य चुनाव आयुक्त थे टी. एन. शेपन। इनकी छवि भारतीय इतिहास में एक निडर, कड़क और क्रांतिकारी सुधारक की थी। शेपन ने भारतीय चुनाव प्रणाली की पूरी सूरत बदल दी और राजनेताओं के मन में कानून का खोफ पैदा किया। उनके दौर में एक कहावत प्रचलित थी कि नेता केवल दो ही लोगों से डरते हैं। एक तो ईश्वर से दूसरे टी.एन. शेपन से। शेपन ने संविधान के अनुच्छेद 324 की ताकत को पहचाना और साबित किया कि चुनाव आयोग भारत सरकार का नहीं, बल्कि भारत का होता है। उन्होंने आयोग को एक पूर्णतः स्वतंत्र और शक्तिशाली स्वायत्त निकाय बनाया और आदर्श आचार संहिता को कड़ाई से लागू कराते हुये कई प्रभावशाली मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों तक के प्रचार पर रोक लगा दी और कड़े दंड दिए। शेपन ने बृथ कैप्चरिंग , जाली वोटिंग, दीवारों पर जबरन पोस्टर चिपकाना और लाउडस्पीकरों का बेधड़क इस्तेमाल आदि पर सख्ती से प्रतिबंध लगाया। उन्होंने चुनाव प्रचार को खर्च की सीमा तय की और उसका हिसाब मांगना शुरू किया। शेपन ने ही चुनावों में सरकारी गाड़ियों, बंगलों और मशीनरी के दुरुपयोग पर पूरी तरह रोक लगाई। वे किसी भी राजनीतिक दबाव के आगे नहीं झुके। और चुनावी भ्रष्टाचार के खिलाफ उनके इसी महाअभियान के लिए उन्हें 1996 में रेमन मैग्सेसे पुरस्कार जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।

परन्तु दुःखद है कि वही चुनाव आयोग आज के दौर का सबसे निकृष्ट,भ्रष्ट और सत्ता के चापलूस व कठपुतली आयोग के रूप में देश व दुनिया में अपनी पहचान बना चुका है। आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने की प्रमाण दर्जनों शिकायत के बावजूद आयोग के कानों पर जूँ तक नहीं रेंगती। असली मतदाताओं के नाम काटे जाने व फर्ज़ी मतदाताओं के नाम जोड़ने की अनगिनत शिकायतें होती रहती हैं। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गाँधी ने मतदाता सूची में गड़बड़ी, फर्ज़ी मतदान और वोट चोरी के आरोपों को लेकर तीन बार पावरपॉइंट प्रेज़ेंटेशन दिया और ठोस दस्तावेज़ों के साथ देश के सामने सबूत पेश किए। परन्तु हर बार एक तरफ़ तो चुनाव आयोग द्वारा या तो आरोपों से इंकार किया गया या लीपापोती करने वाले जवाब दिए गये। हैरत की बात तो यह है कि जब जब चुनाव आयोग कि नीयत व उसकी कार्यशैली पर ऊँगली उठती चुनाव आयोग के पक्ष में सत्ता के नेता या भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता मोर्चा संचाल लेते। पिछले दिनों जब राहुल गांधी द्वारा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर वोट चोरी, मैच-फिक्सिंग और देशद्रोही जैसे गंभीर आरोप लगाये गये और उन्हें सरकारी गवाह बनने की सलाह दी गयी, इससे तिलमिलाये भाजपा प्रवक्ताओं ने राहुल गांधी को लेकर कहा कि राहुल गांधी का राजनीतिक जान अत्यंत शून्य है और उन्हें भारत की राजनीति का मूलभूत ज्ञान ही नहीं है। भाजपा ने कहा कि राहुल गांधी में समझ और ज्ञान की कमी है, वे असलियत को समझ नहीं पाते हैं और उनका विवेक पूरी तरह शून्य है। भाजपा प्रवक्ताओं ने यह



भी आरोप लगाया कि कांग्रेस सत्ता पाने के लिए छटपटा रही है और अपनी चुनावी हार का ठीकरा फोड़ने के लिए देश की संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने की कोशिश कर रही है।

परन्तु इस बार मामला चुनाव आयोग द्वारा चलायी गयी एसआईआर अर्थात विशेष मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया में की जा रही घोर धोधशी का है और इस प्रक्रिया पर सवाल उठाने वाले केवल राहुल गांधी या विपक्षी दल व नेता ही नहीं बल्कि कई पूर्व चुनाव आयुक्त व नौकरशाह भी हैं। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्तों और पूर्व केंद्रीय गृह सचिव व केंद्रीय मंत्री तथा भाजपा के ही नेता आर.के. सिंह जैसे वरिष्ठ अधिकारियों और अनेक पूर्व संवैधानिक पदाधिकारियों ने भी चुनाव आयोग की विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को मनमाना, दोषपूर्ण और कानूनी प्रावधानों के विरुद्ध करार दिया है। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस.वाई.कुंरौशे ने कहा कि वे

शुरूआत से ही एसआईआर प्रक्रिया के आलोचक रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ साल के दौरान चुनाव आयोग के काम करने का तरीका बेहद मनमाना रहा है। इसी तरह पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त अशोक लवासा ने भी कहा कि एसआईआर प्रक्रिया अनावश्यक है और इसके संचालन में आयोग द्वारा अपनाई गई पूरी कार्यप्रणाली तथा पद्धति दोषपूर्ण है। लवासा ने कहा कि चुनाव आयोग के कामकाज को लेकर उठा यह विवाद काफी अग्रिय है और इससे लोकतांत्रिक संस्था की कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा होती हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री व पूर्व गृह सचिव आर.के. सिंह ने तो एक खुला पत्र जारी करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर एसआईआर अभियान के दौरान कानून का उल्लंघन करने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने इस पूरी प्रक्रिया पर आपत्ति जताते हुए कहा कि इससे मतदाता सूचियों से वैध मतदाताओं के नाम बड़े पैमाने पर कटे हैं। आर.के. सिंह ने आरोप लगाया कि देशभर में एसआईआर लागू करने का फ़ैसला जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 21 के विपरीत था। क्योंकि कानून में विशेष परिस्थितियों में केवल किसी विशेष निर्वाचन क्षेत्र या उसके हिस्से में ही एसआईआर विशेष पुनरीक्षण की अनुमति है, न कि पूरे देश में। सिंह ने कहा कि धारा 21 के तहत पुनरीक्षण प्रक्रिया पूरी होने और

नवरात्र नौ दिन तो बंगाल में दुर्गा पूजा पांच दिन क्यों?

सत्येंद्र प्रताप सिंह

नवरात्र नौ दिन और बंगाल में दुर्गा पूजा पांच दिन, आखिर ऐसा क्यों? दोनों में मां दुर्गा की आराधना होती है। दोनों आश्विन मास में आते हैं और दोनों का संबंध शक्ति की उपासना से है। फिर उत्तर भारत में प्रतिपदा से शुरू होने वाली पूजा नौ दिनों तक चलती है, जबकि बंगाल में दुर्गा पूजा का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा षष्ठी से विजयादशमी तक पांच दिनों में पूरा होता है। दरअसल, इसका जवाब सिर्फ दिनों की गिनती में नहीं, बल्कि देवी आराधना की अलग-अलग धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं में छिपा है। देवी एक हैं, लेकिन भारत के अलग-अलग क्षेत्रों में उनकी उपासना ने अलग स्वरूप ग्रहण किया है। ‘नवरात्र’ नाम ही इसकी अवधि का संकेत देता है, नौ रातें। देवी उपासना की परंपरा में वर्ष के अलग-अलग समय में नवरात्र मनाए जाते हैं, लेकिन चैत्र और शारदीय नवरात्र सबसे अधिक प्रचलित हैं। शारदीय नवरात्र आश्विन मास की प्रतिपदा से शुरू होकर नवमी तक चलता है। उत्तर भारत में इन नौ दिनों की देवी के नौ स्वरूपों की आराधना से जोड़ा जाता है। पहले दिन शैलपुत्री और इसके बाद क्रमशः ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्मांडा, स्कंदमाता, काल्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री की पूजा होती है। हर दिन देवी के एक स्वरूप को समर्पित होने के कारण नौ दिनों का अपना अलग धार्मिक महत्व है। घटस्थापना या कलश स्थापना के साथ नवरात्र की शुरुआत होती है। श्रद्धालु व्रत रखते हैं, दुर्गा सप्तशती का पाठ करते हैं और अष्टमी अथवा नवमी को कन्या पूजा की परंपरा निभाई जाती है। इस तरह नवरात्र के नौ दिन केवल उत्सव की अवधि नहीं, बल्कि देवी के नौ स्वरूपों की क्रमिक आराधना से जुड़ी धार्मिक परंपरा है। बंगाल में दुर्गा पूजा की परंपरा का स्वरूप कुछ अलग है। यहां भी देवी की आराधना की प्रक्रिया व्यापक है, लेकिन मुख्य पूजा षष्ठी से दशमी तक होती है। इसी कारण आम तौर पर दुर्गा पूजा को पांच दिनों का मुख्य उत्सव कहा जाता है। षष्ठी के दिन देवी के बोधन के साथ मुख्य अनुष्ठान शुरू होते हैं। सप्तमी को

नवपत्रिका पूजा होती है। अष्टमी का दिन महाअष्टमी के रूप में विशेष महत्व रखता है। अष्टमी और नवमी के संधिकाल में होने वाली संधि पूजा दुर्गा पूजा के सबसे महत्वपूर्ण अनुष्ठानों में शामिल है। इसके बाद महानवमी और फिर विजयादशमी आती है। दशमी को मां दुर्गा को विदाई दी जाती है और प्रतिमाओं का विसर्जन होता है। इस तरह षष्ठी, सप्तमी, अष्टमी, नवमी और दशमी, ये पांच दिन बंगाल की दुर्गा पूजा के मुख्य दिन हैं। यहीं एक महत्वपूर्ण बात समझने की जरूरत है। दुर्गा पूजा को पांच दिनों का कहना उसके मुख्य अनुष्ठानों के संदर्भ में है। पूजा से जुड़ी धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियां इससे पहले ही शुरू हो जाती हैं। महालया का बंगाल की दुर्गा पूजा से गहरा संबंध है। पितृपक्ष की समाप्ति के आसपास आने वाला महालया देवी पक्ष के आगमन का संकेत देता है। बंगाली समाज में महालया के साथ ही मां दुर्गा के आगमन की प्रतीक्षा और अधिक प्रबल हो जाती है। इसके बाद पूजा की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंचती हैं और षष्ठी से मुख्य अनुष्ठान शुरू होते हैं। इसलिए नवरात्र के नौ दिनों और दुर्गा पूजा के पांच मुख्य दिनों की सीधी तुलना करते समय यह समझना जरूरी है कि दोनों की धार्मिक गणना और अनुष्ठानिक परंपरा अलग-अलग है। बंगाल में देवी दुर्गा की आराधना की परंपरा पुरानी है, लेकिन आज जिस विशाल सार्वजनिक स्वरूप में दुर्गा पूजा दिखाई देती है, वह समय के साथ विकसित हुआ। विशेष रूप से 18वीं शताब्दी में बंगाल के जमींदारों और संपन्न परिवारों में भव्य दुर्गा पूजा के आयोजन सामाजिक प्रतिष्ठा और सामुदायिक मेले-मिलाप के महत्वपूर्ण अवसर बनने लगे। बाद में बारोवारी यानी सामुदायिक पूजा की परंपरा का विस्तार हुआ और दुर्गा पूजा राजबाड़ियों तथा संपन्न परिवारों के परिसरों से निकलकर बड़े सार्वजनिक आयोजन का रूप लेने लगी। आज बंगाल की दुर्गा पूजा केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है। पंडालों की थीम, प्रतिमा निर्माण, कला, रोशनी, ढाक, धुनुची नृत्य, खानपान और लाखों लोगों की भागीदारी इसे धार्मिक होने के साथ विशाल सांस्कृतिक आयोजन भी बनाती है।

विचार

विचार

विचार

विचार

विचार

अभिनेय आकाश

जन-आंदोलन के बाद पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार गिरने और उनके देश छोड़कर भागने के महज दो साल बाद ही, बांग्लादेश एक और बड़े राजनीतिक संकट के मुहाने पर खड़ा नजर आ रहा है। कथित तौर पर देश के एक शीर्ष नेता ने सैन्य नेतृत्व के साथ मिलकर प्रधानमंत्री तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बीएनपी (ब्रह्मक) सरकार को उखाड़ फेंकने की साजिश रची है। ऐसे में कहा जा रहा है कि क्या बांग्लादेश में क्या एक बार फिर से तख्ता पलट होने जा रहा है? क्या तारिक रहमान का भी वही हथ्र होगा जो शेख हसीना का हुआ। यह सवाल इसलिए क्योंकि बांग्लादेश में पिछले कुछ दिनों में कई हलचल देखने को मिली है। आईएसआई के आतंकी वहां पर घूम रहे हैं। आर्मी के बेस पर जा रहे हैं। इसके अलावा तुर्की के इन्वॉल्वमेंट को लेकर खबरें हैं।

नॉर्थ ईस्ट यूज की एक रिपोर्ट के अनुसार, तुर्किये और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियों के साथ-साथ विदेश मंत्री खलीलुर रहमान भी कथित तौर पर इस साजिश में शामिल हैं। इसका मकसद प्रधानमंत्री तारिक रहमान को विवादित, नाकाम और अप्रभावी साबित कर राजनीतिक रूप से कमजोर करना है। बांग्लादेश की इंटेलिजेंस एजेंसी के एक सूत्र का हवाला देते हुए रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 22–23 सितंबर को मेजर जनरल महबुबुल आलम के साथ गुप्त बैठकें हुई। महबुबुल आलम %बांग्लादेश यूनिवर्सिटी ऑफ प्रोफेशनल्स% के वाइस चांसलर हैं, जो बांग्लादेश की सेना द्वारा चलाया जाने वाला एक संस्थान है। इस बैठक में अमर देश के संपादक महमूदुर रहमान (जो पूर्व सेना अधिकारी अब्दुल्ला अमान आजमी के बेटे हैं) और एक अन्य पूर्व सेना अधिकारी हसीनुर रहमान भी मौजूद थे। इनके साथ तुर्की की इंटेलिजेंस एजेंसी का एक वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल था। रिपोर्ट के मुताबिक, इन बैठकों में खलीलुर रहमान और महमूदुर रहमान के नेतृत्व में लंबे समय तक चलने वाली गैर-राजनीतिक



सरकार बनाने के रोडमैप पर चर्चा की गई।

सूत्रों का कहना है कि सेना और जमात-ए-इस्लामी इस योजना का समर्थन करते हैं। कहा जा रहा है कि यह योजना पाकिस्तान में तैयार की जा रही है और इसे तुर्की से फंड मिल रहा है। इसका मकसद बांग्लादेश की दो मुख्य राजनीतिक पार्टियों—तारिक रहमान की अगुवाई वाली बीएनपी और शेख हसीना की प्रतिबंधित अवामी लीग—को राजनीतिक रूप से कमजोर करना है।इससे पहले, आजमी और हसीनु रहमान ने अलग-अलग दावा किया था कि बांग्लादेश सेना प्रमुख जनरल वाकर-उज्-ज्मान के साथ उनका नियमित संपर्क है और उन पर उनका नियंत्रण है। उन्होंने यह भी दावा किया कि सेना की कमांड चैन पर जनरल ज़मान का नियंत्रण नहीं है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बांग्लादेश की मिलिट्री इंटेलिजेंस में कथित तौर पर इस्लामिक आतंकवाद-विरोधी गठबंधन सक्रिय और मजबूत हो गया है, और हाल ही में ब्रिगेडियर शौकत उस्मान को इस गुप्त समूह का प्रमुख बनाया गया है।

सूत्रों का यह भी कहना है कि बांग्लादेश की सेना और नागरिक प्रशासन में मौजूद ताकतवर लोग तारिक रहमान और उनके परिवार को देश से बाहर भेजने की साजिश रच रहे हैं, ठीक वैसे ही जैसे शेख हसीना और उनके परिवार को देश छोड़कर भारत में शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा था। खबरों के मुताबिक, खुफिया एजेंसियों को पता चला है कि विदेश मंत्री

खलीलुल्लाह रहमान के इस रूफ से करीबी संबंध हैं।

उन्हीं की पहल पर न्यूयॉर्क में यूनाइटेड नेशंस जनरल असंबली के दौरान तुर्की के राष्ट्रपति रसेप तैयप एर्दोगन, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजे़शिकयान और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ के साथ हुई बैठकें हुई। एर्दोगन और पेज़े़शिकयान के साथ हुई बैठकें पहले से तय नहीं थीं। माना जाता है कि खलील ने ये बैठकें इसलिए आयोजित कीं ताकि रहमान को उनकी तटस्थ विदेश नीति से भटकाकर विवादों में फंसाया जा सके। इतिहास

इस बीच, खुफिया सूत्रों ने यह भी दावा किया कि पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज़ इंटेलिजेंस (आईएसआई) के दो सीनियर अधिकारी, मेजर मोहम्मद अक़म और मेजर अजीज़ बुट्टरी, चुपके से बांग्लादेश गए थे। खबरों के मुताबिक, अपनी 10 दिन की यात्रा के दौरान वे चट्टोग्राम समेत कई ठिकानों पर रुके और क्षेत्रीय सुरक्षा खतरों को लेकर सेना के सीनियर अधिकारियों के साथ बैठकें कीं। 25 सितंबर को बांग्लादेश से रवाना होने से पहले उन्होंने महमूदुर आजमी और हसीनु से भी मुलाकात की।

माना जाता है कि बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान, जो संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के मौजूदा अध्यक्ष भी हैं, ने प्रधानमंत्री तारिफ़ की बेटी जाइमा रहमान को यूएनजीए अध्यक्ष के कार्यालय में कानूनी अधिकारी के तौर पर नियुक्त किया था, ताकि प्रधानमंत्री को विवाद में घसीटा जा सके। खलीलुर हज़्र के अध्यक्ष और बांग्लादेश के विदेश मंत्री भी हैं, फिर भी उन्होंने तारिफ़ रहमान के भाषण के लिए महासभा सत्र का सबसे अनुपयुक्त समय चुना। यह भाषण न्यूयॉर्क में देर दोपहर को दिया गया, जब हॉल में आमतौर पर बहुत कम लोग होते हैं, और बांग्लादेश में उस समय सुबह के 4:18 बज रहे थे। इसके अलावा, जाइमा की नियुक्ति एक बड़ा मुद्दा बन गई और तारिफ़ के विरोधियों ने 24 सितंबर को यूएनजीए में उनके भाषण से पहले उन्हें निशाना बनाने के लिए इसका इस्तेमाल किया।

पाकिस्तान के भीतर जाकर भारत ने किया आतंकवाद पर कराएा प्रहार!

नीरज कुमार दुबे

भले ही भारत और पाकिस्तान के बीच दुश्मनी की तलवारें खिंची हुई हों, भले ही हाल ही में संयुक्त राष्ट्र महासभा के वार्षिक सत्र के दौरान दोनों देशों के बीच चले वाक्युद्ध को पूरी दुनिया ने देखा हो, लेकिन भारत ने पाकिस्तान की अध्यक्षता में हुई शंघाई सहयोग संगठन यानि एससीओ की राष्ट्रीय समन्वयक बैठक में हिस्सा लेकर दुनिया को एक बड़ा कूटनीतिक संदेश दे दिया है। 28 से 30 सितंबर तक इस्लामाबाद में हो रही इस बैठक में भारत की ओर से संयुक्त सचिव आलोक डिमरी प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। पाकिस्तान की 2026–27 की अध्यक्षता में यह पहली बड़ी बैठक है, जिसमें संगठन के आगामी कार्यक्रमों और बैठकों का कैलेंडर तय किया जाना है। भारत की इस भागीदारी ने साफ कर दिया है कि नई दिल्ली बहुदक्षीय मंचों से पीछे हटने की बजाय वहां अपनी रणनीतिक मौजूदगी और प्रभाव को और मजबूत करने की नीति पर आगे बढ़ रही है। साथ ही, आतंकवाद और क्षेत्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भारत का कड़ा रुख भी बरकरार है।

हम आपको बता दें कि पाकिस्तान ने अपनी अध्यक्षता के लिए ‘दृष्टि को कार्रवाई में बदलना: संपर्क, नवाचार और साझा समृद्धि’ का विषय चुना है। इस एजेंडे के जरिए इस्लामाबाद क्षेत्रीय संपर्क, आर्थिक सहयोग, नवाचार और लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने का संदेश देना चाहता है। लेकिन पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ी चुनौती यही है कि जिस मंच को वह अपनी कूटनीतिक सक्रियता दिखाने के अवसर के रूप में पेश कर रहा है, उसी मंच पर भारत लगातार आतंकवाद के प्रश्न को केंद्रीय सुरक्षा मुद्दे के रूप में सामने रखता आया है।

उल्लेखनीय है कि भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय स्तर पर लंबे समय से कोई सार्वक व्यापक संवाद नहीं है। इसके बावजूद भारत ने शंघाई सहयोग संगठन के बहुपक्षीय ढांचे को द्विपक्षीय विवादों से अलग रखा है। यही नई दिल्ली की कूटनीतिक रणनीति का महत्वपूर्ण पहलू है। पाकिस्तान के साथ सामान्य द्विपक्षीय संबंधों की बहाली और बहुपक्षीय मंच पर भारत की भागीदारी, दोनों को अलग-अलग रखा गया है।

यहीं पाकिस्तान की कूटनीतिक चुनौती स्पष्ट होती है। इस्लामाबाद को एससीओ की अध्यक्षता मिली है, लेकिन भारत के साथ उसके संबंधों में वह परिस्थितियां अब भी



मौजूद हैं जिनके कारण व्यापक द्विपक्षीय संवाद बंद पड़ा है। इसके बावजूद भारत पाकिस्तान की मेजबानी में होने वाली संगठनात्मक बैठकों में भाग लेकर यह संदेश दे रहा है कि बहुपक्षीय संस्थाओं को बंधक बनाकर द्विपक्षीय विवादों का समाधान नहीं किया जा सकता।

हम आपको यह भी बता दें कि भारत के एजेंडे में आतंकवाद का मुद्दा एक बार फिर सबसे ऊपर रहने वाला है। खास बात यह है कि इस बार जवाब पाकिस्तान की जमीन पर, उसी के मंच पर दिया जाएगा। पाकिस्तान जब एससीओ के क्षेत्रीय आतंकवाद-रोधी ढांचे की अध्यक्षता कर रहा है, तब भारत के लिए यह मंच इस्लामाबाद को आतंकवाद के सवाल पर सीधे घेरने का महत्वपूर्ण अवसर है। नई दिल्ली लगातार आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद के खिलाफ सामूहिक कार्रवाई की मांग करती रही है। साथ ही भारत सीमा पूर आतंकवाद तथा संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित आतंकी संगठनों के खिलाफ ठोस कार्रवाई को पाकिस्तान के साथ संबंध सुधारने की बुनियादी शर्त मानता है। ऐसे में एससीओ के मंच से पाकिस्तान में ही आतंकवाद का धुंध उठाना इस्लामाबाद के लिए कहीं अधिक कड़ा कूटनीतिक संदेश होगा।

साथ ही कनेक्टिविटी के सवाल पर भी भारत की स्थिति स्पष्ट है। नई दिल्ली एससीओ के संपर्क और क्षेत्रीय आर्थिक सहयोग से जुड़े प्रयासों का समर्थन करती है, लेकिन उसकी स्पष्ट शर्त है कि ऐसी कोई भी परियोजना सदस्य देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन नहीं कर सकती। यानी भारत संपर्क के खिलाफ नहीं है, बल्कि वह संपर्क के नाम पर विवादित क्षेत्रों अथवा संप्रभुता से जुड़े सिद्धांतों को दरकिनार करने के खिलाफ

अपनी स्थिति कायम रखता है।

भारत की यही नीति पिछले वर्षों में भी दिखाई दी है। 2017 में एससीओ का पूर्ण सदस्य बनने के बाद भारत ने संगठन की विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी की। अक्टूबर 2024 में विदेश मंत्री एस. जयशंकर पाकिस्तान में एससीओ के शासनाध्यक्षों की बैठक में शामिल हुए थे। जुलाई 2026 में भी भारतीय प्रतिनिधिमंडल सीमा सुरक्षा से जुड़े एससीओ कार्यक्रम के लिए इस्लामाबाद गया था। भारतीय अधिकारी एससीओ के आतंकवाद-रोधी ढांचे से जुड़े अभ्यासों और विशेषज्ञ बैठकों में भी भाग लेते रहे हैं।

अब नजर 2027 पर है। पाकिस्तान अगस्त 2027 में इस्लामाबाद में एससीओ राष्ट्राध्यक्ष शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। पाकिस्तान ने संकेत दिया है कि संगठन के सभी सदस्य देशों के नेताओं को निमंत्रण दिया जाएगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल होंगे। लेकिन निमंत्रण मिलना और प्रधानमंत्री का पाकिस्तान जाना दो अलग-अलग विषय हैं।

हम आपको यह भी बता दें कि शंघाई सहयोग संगठन की स्थापना 2001 में चीन, रूस, कजाखस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान ने की थी। भारत और पाकिस्तान 2017 में पूर्ण सदस्य बने थे। बाद में ईरान और बेलारूस भी इसमें शामिल हुए। संगठन का दायरा सुरक्षा से लेकर आर्थिक सहयोग, क्षेत्रीय संपर्क और आतंकवाद, अलगाववाद तथा उग्रवाद के खिलाफ सहयोग तक फैला हुआ है।

बहरहाल, इस्लामाबाद की बैठक महज एक प्रशासनिक बैठक नहीं है। पाकिस्तान इसे अपनी अध्यक्षता के प्रभाव को स्थापित करने के अवसर के रूप में देख रहा है, जबकि भारत इसी मंच का इस्तेमाल अपनी सुरक्षा प्राथमिकताओं, आतंकवाद-विरोधी दृष्टिकोण और क्षेत्रीय संपर्क संबंधी सिद्धांतों को मजबूती से रखने के लिए कर रहा है। पाकिस्तान के सामने चुनौती यह है कि संगठन की अध्यक्षता उसके हाथ में होने के बावजूद भारत की भागीदारी उसकी शर्तों पर नहीं, बल्कि भारत की घोषित रणनीतिक प्रतिक्रियाओं के साथ आगे बढ़ रही है। यही इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण सामरिक और कूटनीतिक संदेश है।

यूएन में पीएम रहमान का भाषण

टाका किस राह पर?

सुबीर भोंमिक

बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान संयुक्त राष्ट्र महासभा की पहली यात्रा और अपने भाषण से भले ही तारीफ पा रहे हों, लेकिन उनकी सरकार ने देश के कट्टरपंथी इस्लामी विपक्ष के साथ कथित तौर पर गुप्त बातचीत कर पूर्व सत्ताधारी अवामी लीग के खिलाफ कई कड़े कदम उठाने की योजना बनाई है। इनमें देश में अब भी सक्रिय अवामी लीग के शीर्ष नेताओं की ‘लक्षित हत्याएं’ भी शामिल बताई जा रही हैं। बांग्लादेश के वरिष्ठ खुफिया अधिकारियों के अनुसार, अवामी लीग को खत्म करने की यह योजना पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के बांग्लादेश लौटने की घोषणा को देखते हुए बनाई गई है। अवामी लीग पर प्रतिबंध लगा हुआ है, लेकिन यह अब भी देश की प्रमुख रच-पाटी बनी हुई है। शेख हसीना ने पश्चिमी और भारतीय मीडिया को दिए कई साक्षात्कारों में बांग्लादेश नेशनलस्ट पार्टी (बीएनपी) सरकार को चुनौती देते हुए कहा है कि ‘वे मेरे लिए जेल और फांसी का फंदा तैयार रखें।’ वह दिसंबर में अपनी पार्टी के नेताओं के साथ भारत से बांग्लादेश लौटेंगी। दिसंबर वही महीना है, जब 1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर जीत के बाद बांग्लादेश का गठन हुआ था। बांग्लादेश के एक वरिष्ठ सैन्य खुफिया अधिकारी के अनुसार, जमात-ए-इस्लामी से जुड़े सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारियों ने हसीना की वापसी के बाद अवामी लीग के संभावित जन-आंदोलन को रोकने के लिए कई दमनकारी कदम तय किए हैं। इस गुप्त योजना समूह के नेता ब्रिगेडियर अब्दुल्लाह अमान आजमी ने हाल ही में बीएनपी, जमात-ए-इस्लामी और अन्य इस्लामी पार्टियों के बीच ‘पूर्ण एकता’ का आह्वान किया था, ताकि ‘फासीवादी खतरे’, यानी अवामी लीग का मुकाबला किया जा सके। 1971 के युद्ध के समय जमात-ए-इस्लामी के अमीर रहे गुलाम आजम के बेटे आजमी ने यह विस्तृत योजना तैयार की है। बताया जा रहा है कि इसे बीएनपी सरकार, जमात-ए-इस्लामी, अन्य इस्लामी पार्टियों और सेना प्रमुख जनरल वकार-उज्-जमान ने मंजूरी दी है।

योजना में इस्लामी कट्टरपंथियों के जरिये बांग्लादेश के सभी 64 जिलों में अवामी लीग के 15 से 20 प्रभावशाली नेताओं की लक्षित हत्या शामिल है। साथ ही, पुलिस को अवामी लीग के कम प्रभावी नेताओं और उनके करीबियों को फंसाकर गिरफ्तार करने का काम सौंपा जा रहा है। इस्लामी कट्टरपंथियों द्वारा लक्षित हत्याओं और पुलिस की गिरफ्तारियों का उद्देश्य अवामी लीग की जन-लामबंदी की संभावित योजना को कमजोर करना है। यह जन-लामबंदी आसमान छूती कीमतों, बिजली और ईंधन की भारी कमी तथा बीएनपी कार्यकर्ताओं द्वारा कथित तौर पर बड़े पैमाने पर की जा रही जबरन वसूली से जनता में पैदा हुए गुस्से को आधार बनाकर करने की योजना है। ‘ऑपरेशन दोमोन’ (दमन) का तीसरा पहलू हिंदुओं की लक्षित हत्याएं और जबरन वसूली है। इसका उद्देश्य भारत की सरकार पर दबाव बनाना है, ताकि वह हसीना और अवामी लीग का समर्थन करना छोड़ दे। इसका चौथा पहलू अंतरराष्ट्रीय अपराध अधिकरण में अवामी लीग के नेताओं के खिलाफ चल रहे मुकदमों में फैसले तेजी से कराना और मौत की सजा पाए नेताओं को फांसी देना है। ये नेता अगस्त 2024 से जेल में हैं, जब हसीना सरकार को हटा दिया गया था। नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनूस ने मुख्य सलाहकार बनने के बाद क्लिंटन फाउंडेशन में एक व्याख्यान के दौरान कथित तौर पर स्वीकार भी किया था कि हसीना को सत्ता से हटाना अचानक हुए जन-आंदोलन का परिणाम नहीं, बल्कि ‘बहुत सोच-समझकर तैयार किए गए ऑपरेशन’ का नतीजा था। जब आजमी और उनके सहयोगी ‘ऑपरेशन दमन’ की योजना बना रहे थे, तब इसी गुट के एक बड़े नेता और डायरेक्टरेट जनरल ऑफ फोर्सेज इंटेलिजेंस (डीजीएफओ) के पूर्व प्रमुख रेज्जाकुल हैदर चौधरी हथियारों की खरीद के लिए तुर्किये के दौरे पर थे। इन हथियारों का इस्तेमाल प्रस्तावित इस्लामी मिलिशिया के लिए किया जाना था, जिसे अब आर्मुड रिजर्व की आड़ में तैयार किया जा रहा है।



जीव-जंतुओं की दुनिया के सबसे अनोखे सदस्य

दोस्तों जीव-जंतुओं की दुनिया बड़ी ही निराली है। इस दुनिया के बारे में हम जितना भी जानते हैं उतनी ही हमारी और जानने की ख्वाहिश बढ़ती चली जाती है। हमारी दुनिया में कई छोटे-बड़े जीव ऐसे हैं जिनकी खासियतें बड़ी ही अनोखी और निराली हैं। आज ऐसे ही कुछ जीवों से हम आपको रूबरू करा रहे हैं। हम इन जीवों की खासियतें भी आपको बताएंगे। अगर आप उन लोगों में से एक हैं जिन्हें जीव-जंतुओं की दुनिया में घुसने में मजा आता है तो यकीन जानिए, ये आपके लिए ही है।

रोसी मेपल मोथ



ये उत्तरी अमेरिका में बहुतायत में पाया जाने वाला एक कीट है। आम बोलचाल में इसे रोसी मेपल मोथ कहा जाता है। वहीं वैज्ञानिक भाषा में इसे ड्रायोकैम्पा रुबीक्यूंडा कहा जाता है। ये रेशम का का कीट है। इसलिए इसे फैब्रीसियस भी कहा जाता है। इस तस्वीर में दिखाई दे रहा ये कीट अपना एक पैर उठाए हुए है जिसे देखकर लग रहा है जैसे ये हैलो कर रहा है।

अमेरिका में कई किसान इन्हें पालते भी हैं।

एगर्जेन्थिक ब्लू इगुआना



इगुआना एक प्रकार की छिपकली होती है। एगर्जेन्थिक ब्लू इगुआना सभी प्रकार की इगुआना में सबसे खूबसूरत होती है। ये इतनी खूबसूरत होती है कि अमेरिका जैसे देशों में इसे लोग शीक से पालते भी हैं। अमेरिका में इसके पालने पर प्रतिबंध नहीं है और लोग इसे बाजार में बेच भी सकते हैं। गुलाब की खुशबू सूंघती इस इगुआना की तस्वीर काफी वायरल हुई थी।

वॉम्बेट



मेहुल की सेल्फी

‘मेहुल.ओ.मेहुल। कहां हो तुम?’ मां मेहुल को काफी देर से ढूढ़ रही थी, लेकिन वह कहीं नजर नहीं आ रहा था। जब मेहुल उन्हें अपने कमरे में भी नहीं दिखाई दिया तो वह सोच में पड़ गई कि इतनी गर्मी में मेहुल बिना बताए कहा गया है। तभी उन्हें ख्याल आया कि एक बार छत पर जाकर भी देख लिया जाए। वैसे इस भरी दोपहर में उन्हें उसके छत पर होने की उम्मीद कम ही थी, लेकिन उनका मन नहीं माना। पर यह क्या! जैसे ही वह छत पर

पहुंचीं तो देखा कि मेहुल छत पर खड़ा अपने नए मोबाइल से सेल्फी खींचने में व्यस्त है! वह सेल्फी में इतना खोया हुआ था कि उसे न तो मां की आवाज सुनाई दे रही थी और न ही उनके छत पर आने का पता था। मां ने उसके करीब जाकर उसकी पीठ पर थपपड़ मारते हुए कहा, ‘यह क्या कर रहे हो तुम इतनी धूप में?’ तो वह चौंका। ‘कुछ नहीं मां, बस यूँ ही।’ ‘यूँ ही क्या?’ मां ने गुर्रसे से उसकी तरफ देखते हुए कहा। ‘मां, अपने इस नए

ये बेहद अनोखा और बेहद प्यारा जीव इन दिनों बेहद खतरनाक हालात से जूझ रहा है। ये ऑस्ट्रेलिया में पाया जाता है। और जैसा कि आप सभी जानते हैं कि ऑस्ट्रेलिया में इन दिनों बेहद भीषण आग लगी है जिसमें 50 करोड़ से भी अधिक जीव जलकर खाक हो गए हैं। ये एक छोटा वॉम्बेट है। वॉम्बेट के पैर और पूंछ इनके शरीर की तुलना में काफी छोटी होती है। इनका शरीर 1 मीटर तक लंबा हो जाता है। ये पहाड़ी, मैदानी और जंगली इलाकों में पाए जाते हैं।

सम्राट तामरीन

ये मूछों वाला बंदर तामरीन बंदरों की कई प्रजातियों में से एक है। इसे सम्राट तामरीन कहा जाता है। कहा जाता है कि जर्मन सल्तनत के सम्राट विल्हेम द्वितीय की मूछें भी इसी तरह की हुआ करती थीं। इसलिए इस तामरीन बंदर को सम्राट तामरीन कहा जाता है। ये बंदर अमेजन के जंगलों में बहुतायत में पाए जाते हैं।

स्कॉटिश भेड़

स्कॉटलैंड में बहुतायत में भेड़ पालन करने वाले किसान वास करते हैं। स्कॉटलैंड में इसानों से ज्यादा भेड़ें रहती हैं। यहां के 15000 भेड़ फार्म्स में 70 लाख के आस-पास भेड़ें रहती हैं। किसान इन भेड़ों को दूध, ऊन और मांस के लिए पालते हैं। पिछले दिनों एक शीप फार्म से इस भेड़ की ये अनोखी तस्वीर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थी।

नौवीं क्लास में पढ़ने वाले मेहुल को हाल ही में उसके मामा ने मोबाइल गिफ्ट में दिया था। इसकी भी एक वजह थी। मामा ने उससे वादा किया था कि अगर वह आठवीं क्लास में फर्स्ट आएगा तो वह उसे उसका मनचाहा गिफ्ट देंगे। मेहुल क्लास में फर्स्ट आया। उसके मामा ने भी उससे किया हुआ वादा निभाया।

मोबाइल से कुछ सेल्फी ले रहा था, दोस्तों को दिखाने के लिए। ‘क्या मतलब, क्या तुम्हें यह मोबाइल इतनी धूप में सेल्फी खींचने के लिए मिला है?’ मां ने उसे डांटते हुए कहा। ‘चलो नीचे, मां उसका हाथ पकड़ कर ले जाने लगीं।’ मेहुल अनमने मन से मां के साथ चलने लगा।

नौवीं क्लास में पढ़ने वाले मेहुल को हाल ही में उसके मामा ने मोबाइल गिफ्ट में दिया था। इसकी भी एक वजह थी। मामा ने उससे वादा किया था कि अगर वह आठवीं क्लास में फर्स्ट आएगा तो वह उसे उसका मनचाहा गिफ्ट देंगे। मेहुल क्लास में फर्स्ट आया। उसके मामा ने भी उससे किया हुआ वादा निभाया। मोबाइल पाकर मेहुल की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उसने अपने सभी दोस्तों को मोबाइल दिखाया और दिन भर उनके साथ सेल्फी का मजा लिया। देर शाम को जब वह घर आया तो मां ने उसे टोका भी, ‘यह क्या बात हुई कि तुम नए मोबाइल के साथ दिन भर गायब रहे। न खाने-पीने की चिंता, न गमी की चिंता। कहीं बीमार हो गए तो स्कूल से छुट्टी लेनी पड़ेगी।’ मां ने उसे ज्यादा नहीं डांटा, उन्हें लगा कि यह दो-तीन दिन का बुखार है, बाद में सब ठीक हो जाएगा। अगले दिन सुबह रोज की तरह मेहुल उठा और तैयार होकर स्कूल जाने लगा। उसने अपने बैग में



रोशनी वाला पेड़



भारत में हिमालय के आसपास कुछ ऐसे पेड़-पौधे भी हैं, जो रात के घोर अंधकार में चमक उठते हैं। उन्हें देखकर ऐसा लगता है, जैसे लाइट जल उठी हो। ऐसा ही एक पौधा सोम औषधि है। पूर्णिमा की रात से अमावस्या तक इसके सारे पत्ते गिर जाते हैं और यह रात को चमकता है। कुछ पेड़ हैं, जिनके तनों से विशेष किस्म का द्रव्य बहता है, यह द्रव्य अंधेरा होने पर चमकता है। मशरूम की भी कुछ किस्में ऐसी होती हैं, जो रात को चमक देती हैं।

कहां जाएं ध्रुवीय भालू

इनसानी दखल का असर अब ध्रुवीय भालू की ज़िंदगी पर पड़ने लगा है। बर्फीले आर्कटिक क्षेत्र के निवासी ये भालू गरम होते क्षेत्र के कारण अपने रहने के स्थान खोने लगे हैं। बर्फ पिघलने से इन्हें खाने के लिए भी ठीक से नहीं मिल पा रहा है। उस पर बड़ी कंपनियां लगातार उनके इलाके में घुसपैट कर रही हैं, जिस कारण इन भालुओं को लगातार अपने रहने का ठिकाना बदलना पड़ रहा है। ऐसे में खाने की कमी को ये दूसरे भालुओं को मारकर पूरी कर रहे हैं। बड़े भालुओं का शिकार आमतौर पर मादा भालू या बच्चे बन रहे हैं। ऐसी घटनाएं पहले कभी-कभार ही होती थीं। इससे ध्रुवीय भालू के लुप्त होने का खतरा बढ़ गया है।



अपना नया मोबाइल भी रख लिया। मां ने उसे ऐसा करते हुए देख लिया। उन्होंने उसके बैग से मोबाइल निकालते हुए कहा, ‘तुम स्कूल पढ़ने जा रहे हो या मोबाइल पर बातें करने या फिर सेल्फी खींचने के लिए।’ मां उसकी ओर गुर्रसे से देखते हुए मोबाइल लिए किचन में चली गईं। मेहुल गुर्रसे से पैर पटकते हुए स्कूल की ओर चल दिया। आज उसका मन क्लास में नहीं लग रहा था। उसे बस यही इंतजार था कि कब स्कूल की छुट्टी हो और वह घर जाकर अपने मोबाइल से तरह-तरह की सेल्फी ले। आखिर उसके इंतजार की घड़ी खत्म हुई। स्कूल की छुट्टी हो गई। घर पहुंचते ही मेहुल सीधा मां के पास पहुंचा और कहा, ‘मां, मेरा मोबाइल कहां है?’ मां ने उसकी तरफ देखते हुए कहा, ‘पहले कपड़े बदलो और खाना खा लो फिर तुम्हारा मोबाइल भी तुम्हें मिल जाएगा।’ यह कहकर मां किचन की ओर चल दी। मेहुल समझ गया कि अगर उसे मोबाइल चाहिए तो मां का कहना मानना ही पड़ेगा। उसने जल्दी से कपड़े बदल कर खाना खाया। मां ने उसका मोबाइल लाकर उसे दे दिया। मोबाइल देखकर उसकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। जाते-जाते मां ने उसे हिदायत दे दी कि इस गर्मी में वह छत पर या बाहर न जाए। मेहुल ने मन ही मन सोचा, यह भी कोई बात हुई। घर पर भी कोई सेल्फी लेता है। असली मजा तो बाहर सेल्फी लेने में है। मोहित के डोंगी रॉकी के साथ या फिर राहुल के भैया की बाइक पर। सोसाइटी में बने स्वीमिंग पूल पर सेल्फी का तो अलग ही मजा आएगा। यह सोचकर मेहुल बाहर जाने लगा। मां ने उसे बाहर जाते हुए देखकर कहा, ‘इस दोपहर में कहा जा रहे हो?’ ‘मां, मैं मोहित के घर जा रहा हूं, थोड़ी देर में आ जाऊंगा।’ मां ने उससे कहा, ‘जल्दी आ जाना। शाम को तुम्हारे मामा आने वाले हैं। हम सब उनके साथ बाहर घूमने जाएंगे।’ ‘पक्का मां, मैं जल्दी आ जाऊंगा।’ यह कहकर मेहुल तेजी से मोहित के घर

की ओर भागा। मेहुल को देख मोहित खुश हो गया। मेहुल और मोहित दोनों मोबाइल से सेल्फी लेने लगे। तभी मेहुल को मोहित का डोंगी दिखाई दिया। उसने मोहित से कहा, ‘क्यों न रॉकी के साथ सेल्फी ली जाए।’ मोहित ने उसकी हां में हां मिलाई। फिर क्या था कि दोनों रॉकी के साथ सेल्फी लेने लगे। पहले तो रॉकी को भी उनके इस खेल में मजा आ रहा था लेकिन जल्दी ही वह उनकी हरकतों से उकता गया। वह एक-दो बार उन पर गुर्राया भी लेकिन उन्होंने इस पर ध्यान नहीं दिया। तभी सोफे पर बैठे मेहुल ने अपनी बगल में बैठे रॉकी को गर्दन से लगभग खींचते हुए अपने पास लाकर सेल्फी खींचनी चाही तो रॉकी भड़क गया और उसने मेहुल के हाथ पर काट लिया। मेहुल के मुंह से चीख निकल गई। मोहित की मम्मी बगल के कमरे से दौड़ी-दौड़ी आई। रोते हुए मेहुल और खून से सना हुआ उसका हाथ देखकर वह घबरा गई। उन्होंने जल्दी से उसके घाव को साबुन से धोया और उसे डॉक्टर के पास ले गई। रास्ते में उन्होंने मोहित से पूछा, ‘यह कैसे हुआ?’ ‘मां, रॉकी ने काटा है’ मोहित ने कहा। ‘ऐसे कैसे काट लिया, सच-सच बात बताओ?’ ‘मां, मेहुल रॉकी के साथ सेल्फी ले रहा था, तभी पता नहीं इसे क्या हुआ और इसने मेहुल को काट लिया।’ ‘तुम अपने सेल्फी के मजे में यह भूल गए कि तुम्हारी इन हरकतों से रॉकी को परेशानी हो रही है। उसे जब कुछ समझ नहीं आया होगा तो उसने मेहुल को काटकर अपना गुस्सा जता दिया।’ मां ने नाराज होते हुए कहा। डॉक्टर से पट्टी करवाने के बाद मेहुल घर पहुंचा तो उसे इस हालत में देखकर मां एकदम घबरा गई लेकिन जब असली बात पता चली तो उसे मां की डांट भी खानी पड़ी। उसे समझ आ गया था कि काश उसने सेल्फी की बीमारी को अपने सिर पर चढ़ने नहीं दिया होता तो यह सब नहीं होता।



कैप्टन मच्छर आप हीरो हैं, पीएम ने पायलट के परिवार से की बात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सैंकड़ों यात्रियों की जान बचाने वाले भारतीय कैप्टन स्मित मच्छर की तारीफ की है। पीएम मोदी ने पायलट स्मित मच्छर को हीरो बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में कहा, स्मित मच्छर एक हीरो हैं। पीएम मोदी ने कहा कि बहुत ही खतरनाक हालात और गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद भी उन्होंने दूसरों की जान बचाने के लिए बहुत ही हिम्मत दिखाई। उनकी बहादुरी की वजह से ही सैंकड़ों लोगों की जान बची और एक बड़ी त्रासदी टल गई। भारत को कैप्टन मच्छर पर गर्व है। हम उनके जल्दी स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्लाईडुबई की उड़ान एफजेड 1073 के भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छर के परिवार से फोन पर बात की। विमान में हुई गंभीर घटना के दौरान घायल होने के बावजूद यात्रियों की सुरक्षा में भूमिका निभाने वाले कैप्टन मच्छर की प्रधानमंत्री ने बहादुरी की सराहना की।

इंडिया गठबंधन का मुंबई में 4 अक्टूबर को बड़ा मार्च

मुंबई। सहयोगी पार्टियां – नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार (एनसीपी-एसपी) और कांग्रेस – मुंबई में 4 अक्टूबर को होने वाले उस विरोध मार्च में शामिल होंगी, जिसे शिवसेना (यूबीटी) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ आयोजित किया है। यह विरोध स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) के कथित गलत प्रबंधन को लेकर किया जा रहा है। बुधवार को विपक्षी गठबंधन इंडिया की बैठक में शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे के वचुंअल रूप से शामिल होने और गठबंधन के सहयोगियों से 4 अक्टूबर के मार्च में शामिल होने की अपील करने के बाद, एनसीपी-एसपी की सांसद सुप्रिया सुले और कांग्रेस नेता नाना पटोले ने भी इसमें हिस्सा लेने की घोषणा की। उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने विपक्षी दलों और आम लोगों से भारत के चुनाव आयोग के कामकाज और एसआईआर के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में शामिल होने का आग्रह किया।

भाजपा का एक भी विधायक नहीं टूटेगा : ब्रजेश पाठक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव के उन दावों को खारिज कर दिया है जिनमें कहा गया था कि बीजेपी विधायक उनकी पार्टी के संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी का एक भी विधायक विपक्ष में शामिल नहीं होगा। गुरुवार को बात करते हुए पाठक ने कहा कि समाजवादी पार्टी को अपने ही परिवार पर ध्यान देना चाहिए। उन्हें भारतीय जनता पार्टी से एक भी विधायक नहीं मिलने वाला है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बीजेपी, अपने कार्यकर्ताओं और कैंडि के मामले में सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते, दूसरी पार्टियों के विधायकों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। पाठक ने कहा कि दूसरी पार्टियों के कई विधायक भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के इच्छुक हैं। सही समय आने पर, भारतीय जनता पार्टी निश्चित रूप से ऐसे सभी सम्मानित विधायकों के बारे में सोचेगी और उन पर काम करेगी।

कांग्रेस पंजाब में बदलेगी प्रदेश अध्यक्ष

चंडीगढ़। कांग्रेस की पंजाब इकाई के अध्यक्ष पद से अमरिंदर सिंह राजा बडिंवा को हटाने का फैसला पार्टी के राज्य प्रभारी महासचिव सचिन पायलट द्वारा संगठन से ली गई प्रतिक्रिया के बाद किया गया है। पार्टी सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि पांच सितंबर को छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की जगह पंजाब प्रभारी नियुक्त किए गए पायलट ने राज्य के पार्टी नेताओं के साथ कई दौर की बैठकें कीं और इसके बाद पार्टी आलाकमान को अपनी रिपोर्ट सौंपी, ताकि नेतृत्व में बदलाव पर फैसला लिया जा सके। सूत्रों के अनुसार, प्रदेश इकाई में कई सप्ताह से चल रही अंदरूनी कलह के बीच बडिंवा को बदला जाना तय है और नए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की नियुक्ति की घोषणा जल्द होने को उम्मीद है। पंजाब विधानसभा चुनाव आने के साल की शुरुआत में होने हैं। सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस आलाकमान ने बडिंवा को अपने फैसले की जानकारी दे दी है।

एफसीआरए बिल: कांग्रेस ने उठाए जेपीसी के कामकाज पर सवाल

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखकर फारिन कंट्रीव्यूशन (रेगुलेशन) अमेंडमेंट बिल, 2026 की जांच कर रही जॉइंट पार्लियामेंट्री कमिटी (जेपीसी) के कामकाज पर चिंता जताई है। उन्होंने इस पर व्यापक बातचीत की मांग की है। अपने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में वेणुगोपाल ने एफसीआरए बिल, 2026 पर जेपीसी के कामकाज को लेकर लोकसभा स्पीकर को लिखे पत्र की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह एक बेहद संवेदनशील बिल है, जिसका अल्पसंख्यकों और सिविल सोसाइटी समूहों के संवैधानिक अधिकारों पर व्यापक असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि जेपीसी का मकसद सभी संबंधित स्ट्रेकहोल्डर्स से इनपुट लेना और दोबारा पेश करने से पहले ड्राफ्ट बिल की बारीकी से जांच करना था। वेनुगोपाल ने सवाल उठाया कि क्या व्यापक फीडबैक और जांच प्रक्रिया अपनाई गई है? हमारा मानना ​​है कि जेपीसी से निकलने वाला कोई भी बिल त्रुटिहीन होना चाहिए और संसद को यह भरोसा होना चाहिए कि यह एक सघन परामर्श प्रक्रिया से गुजरा है। ऐसा सुनिश्चित किए बिना जोपीसी का कोई महत्व नहीं है और संसद के साथ धोखा है।

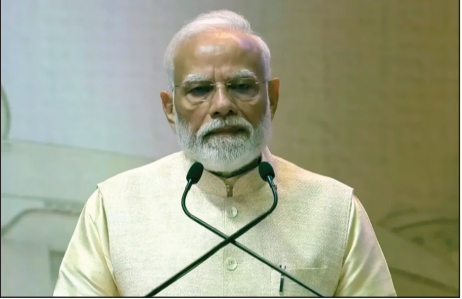
यूपीएससी शताब्दी समारोह में प्रधानमंत्री बोले

युवाओं के भविष्य के लिए समय पर पूरी हों भर्ती परीक्षाएं : मोदी

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युनियन पब्लिक सर्विस कमीशन (यूपीएससी) से कहा है कि वह अपनी परीक्षा और भर्ती प्रक्रियाओं में चल रहे सुधारों को लागू करे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि परीक्षाओं का युवा उम्मीदवारों के भविष्य पर सीधा असर पड़ता है और चेतावनी दी कि देरी से बड़ी मुश्किलें आ सकती हैं। 1 अक्टूबर को नई दिल्ली के भारत मंडपम में यूपीएससी के शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए, पीएम मोदी ने कहा कि परीक्षा आयोजित करने वाली संस्थाओं को देश की बदलती ज़रूरतों के हिसाब से खुद को ढालना चाहिए और समय की निश्चितता के सिद्धांत का पालन करना चाहिए।

मोदी ने कहा कि परीक्षा को सिर्फ एक आयोजन नहीं माना जाना चाहिए। यह हमारे युवाओं के भविष्य से जुड़ी है। कुछ महीनों की देरी भी युवाओं के लिए मुश्किलें पैदा कर सकती है। इसलिए, परीक्षा प्रणाली को समय की निश्चितता के सिद्धांत का पालन करना चाहिए। यूपीएससी की 100 साल की विरासत को याद करते हुए, प्रधानमंत्री ने लाखों युवा भारतीयों के बीच इस संस्था के प्रति अटूट भरोसे का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आज का यह मौका यूपीएससी के 100 साल पूरे होने और इसकी शानदार विरासत का जश्न मनाने का है। यह जश्न हर साल लाखों युवाओं की उम्मीदों और सपनों को दर्शाता है। यह जश्न उस भरोसे को भी दिखाता है जो हर भारतीय इस संस्था पर करता है।

पीएम मोदी ने कहा कि पिछली एक सदी में पीढ़ियों, सरकारों, टेक्नोलॉजी और सिलेसम में बदलाव के बावजूद यूपीएससी पर लोगों का भरोसा मजबूत बना हुआ है और यह एक बड़ी संपत्ति है। उन्होंने भारत के विकास के लिए आने वाले 20 से 25 सालों को बहुत अहम बताया और कहा कि यूपीएससी और राज्य लोक सेवा आयोगों की भूमिका ऐसे युवाओं को चुनने में बहुत जरूरी है जो एक विकसित राष्ट्र बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे।



उन्होंने जोर देकर कहा कि भर्ती प्रक्रिया दो मुख्य पैमानों पर आधारित होनी चाहिए: राष्ट्र पहले और नागरिक पहले। उन्होंने कहा कि ये वे दो पैमाने हैं जिनके आधार पर हर चयन को परखा जाना चाहिए। इसके अलावा, पीएम मोदी ने ऐसी परीक्षाओं की ज़रूरत पर जोर दिया जो उम्मीदवारों को न सिर्फ एकेडमिक जानकारी के आधार पर परखें, बल्कि पब्लिक सर्विस में आने के उनके मकसद को भी देखें। उन्होंने कहा कि हमें पब्लिक सर्विस में ऐसे युवाओं को लाने की ज़रूरत है जो पब्लिक सर्विस की ओर आकर्षित हों, न कि सिर्फ सरकारी पद की ओर। इसलिए, यह ज़रूरी है कि भर्ती परीक्षा में न सिर्फ यह देखा जाए कि उम्मीदवार को कितनी जानकारी है, बल्कि यह भी देखा जाए कि युवा सिविल सर्विस में क्यों शामिल होना चाहते हैं।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नागरिकों की उम्मीदें बदल रही हैं और इसके लिए सिविल सर्विस के कामकाज के तरीके में बदलाव की ज़रूरत है। उन्होंने कहा कि 2047 का भारत आज के भारत से बहुत अलग होगा। आज की तुलना में भारत ज्यादा शहरी होगा और गांवों और शहरों के बीच का अंतर कम हो जाएगा। हमारे नागरिकों, खासकर युवाओं की उम्मीदें और आकांक्षाएं कहीं ज्यादा होंगी। उन्होंने यह भी कहा कि पब्लिक सर्विस को आज की डिमेंड-डिलीवरी वाली दुनिया की रफ्तार के साथ तालमेल बिठाना होगा।

स्टेल प्रमुख समाचार

एशियन गेम्स : भारत ने श्रीलंका को 124 रन से रौंदा

निशिन। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने एशियाड के सेमीफाइनल में श्रीलंका को 124 रन से हरा दिया है। भारत ने 170 रन का लक्ष्य दिया था। जवाब में श्रीलंका की पूरी टीम 9.5 ओवर में 45 रन पर सिमट गई। अब तीन अक्टूबर को स्वर्ण पदक के लिए भारत को सामना साहिजजादा फरहान की कप्तानी वाली पाकिस्तान टीम से होगा। 124 रन से जीत भारत की श्रीलंका पर सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले भारत की श्रीलंका पर रनों के अंतर से सबसे बड़ी जीत 93 रन की थी। भारत ने 2017 में कटक में श्रीलंका को 93 रन से हराया था। भारतीय महिला क्रिकेट टीम लगातार दूसरी बार स्वर्ण जीत चुकी है। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम भी लगातार दूसरी बार स्वर्ण जीतने उतरी है। हांगझोउ में 2023 में ऋगुराज गायकवाड़ की अगुआई में भारत ने स्वर्ण पदक जीता था।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 20 ओवर में सात विकेट गंवाकर 169 रन बनाए। ईशान किशन और वैभव सूर्यवंशी ने मिलकर भारत को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। वैभव ने 21 गेंद में छह चौके और दो छके की मदद से 38 रन की पारी खेली। वहीं, ईशान 46 गेंद में चार चौके और पांच छके की मदद से 80 रन बनाकर नाबाद रहे। इसके अलावा छह बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके। अभिषेक शर्मा सात रन, संजू सेमसन सात रन, अक्षर पटेल आठ रन, तिलक वर्मा दो रन और शिवम दुवे तीन रन बनाकर आउट हुए। वांशिंगेयन सुंदर सात रन बनाकर नाबाद रहे। कांशिरास अय्यर 13 रन बना सके। श्रीलंका की ओर से थारिंदु रत्नायके और कसान सहान अराचिंगे ने दो-दो विकेट लिए। वहीं, वानुजा सहान, लसित कुरुसुरेओ और नुवानिंदु फनडी को एक-एक विकेट मिला। 170 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका टीम कभी मुकाबले में दिखी ही नहीं।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/

प्रमुख समाचार

सैंसेक्स 570 अंक गिरकर बंद निफ्टी 22400 तक लुढ़का

नईदिल्ली। शेयर बाजार में गिरावट का दौर कारोबारी सप्ताह के चौथे दिन भी जारी रहा। कूड की कीमतों में वापसी की वजह से सेंसेक्स में अचानक 1000 अंकों से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 71,292.88 तक फिसला। हालांकि, बाजार ने अपने निचले स्तर से रिकवरी की और सेंसेक्स 570 अंक गिरकर 71,909.70 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी भी गिरकर 22,217 के स्तर तक पहुंचा। बाद में रिकवर करते हुए इसने 198 अंकों की गिरावट के साथ 22,421 के स्तर पर कारोबार बंद किया। बाजार में सबसे बड़ी गिरावट ऑटो शेयरों में देखने को मिली। निफ्टी ऑटो 3.46 फीसदी गिरकर बंद हुआ। हालांकि, पिछले कुछ दिनों से दबाव में चल रहा आईटी सेक्टर आज सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वाला रहा। निफ्टी आईटी में आज 2.17 फीसदी की तेजी रही।

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 62 रुपए हुआ महंगा

नईदिल्ली। अक्टूबर की शुरुआत कारोबारियों के लिए महंगाई के झटके के साथ हुई है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने 1 अक्टूबर 2026 को 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत बढ़ा दी है। इसकी कीमत में 62.50 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। इस बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर का दाम बढ़कर 2,810 रुपये हो गया है। इससे पहले सितंबर की शुरुआत में भी इसकी कीमत 9.50 रुपये बढ़ाई गई थी। त्योहारी सीजन शुरू होने से पहले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर महंगा हो गया है। इसका सीधा असर होटल, रेस्टोरेंट, ढाबे और खान-पान से जुड़े कारोबार पर पड़ सकता है। भरेलू ग्राहकों को राहत मिली है। तेल कंपनियों ने 14.2 किलो वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है।

डीजल और एटीएफ फिर घटा टैक्स

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी नोटिफिकेशन के अनुसार केंद्र सरकार ने लगातार दूसरे पखवाड़े (दो हफ्ते की अवधि) में डीजल और एविएशन टर्बाइन प्यूल (एटीएफ) पर एक्सपोर्ट लेवी (विडफॉल टैक्स) में कटौती की है। इसके तहत 1 अक्टूबर से डीजल पर इयूटी घटाकर 16 रुपए प्रति लीटर और एटीएफ पर 10.5 रुपए प्रति लीटर कर दी गई है। पिछले पखवाड़े में लागू 20 रुपए प्रति लीटर की दर के मुकाबले डीजल एक्सपोर्ट लेवी में 4 रुपए प्रति लीटर की कटौती की गई है, जबकि एटीएफ लेवी में 15 रुपए प्रति लीटर से 4.5 रुपए प्रति लीटर की कमी की गई है। पेट्रोल पर लेवी 0.5 रुपए प्रति लीटर पर अपरिवर्तित (बिना किसी बदलाव के) बनी हुई है। नई नोटिफिकेशन एक्सपोर्ट लेवी से संबंधित सरकार के 26 मार्च के नोटिफिकेशन में संशोधन करते हैं। संशोधित दरें 1 अक्टूबर, 2026 से लागू होंगी।

विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि सात महीने के उच्च स्तर पर

नई दिल्ली। देश के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि सितंबर में सात महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई। एए ऑर्डर और उत्पादन में तेजी इसकी मुख्य वजह रही। बृहस्पतिवार को जारी मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई। भारतीय विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियों में सितंबर में फिर् तेजी आई, जिसे घरेलू एवं निर्यात मांग में मजबूती से बढ़ावा मिला। इसके अलावा, कारोबारी धारणा चार महीने के उच्चस्तर पर पहुंच गई। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) सितंबर में दो से अधिक अंक बढ़कर 55.1 हो गया, जो अगस्त में 52.8 रहा। यह सात महीने में क्षेत्र की स्थिति में सबसे मजबूत सुधार का संकेत है। पीएमआई में 50 से ऊपर का आंकड़ा विस्तार जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा गिरावट को दर्शाता है।

विभिन्न देशों के बीच चल रहे युद्ध का भारत पर प्रभाव

प्रहलाद सबनानी

वैश्विक स्तर पर, विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में, परिस्थितियां तेजी से रसातल में जाती हुई दिखाई दे रही हैं। विभिन्न देशों (रूस-यूक्रेन, इजराइल-हम्यास, ईरान-अमेरिका एवं सऊदी अरब-हुथी) के बीच चल रहे युद्ध ने उन देशों के आर्थिक क्षेत्र को भी विपरीत रूप से प्रभावित करना प्रारम्भ कर दिया है, जो प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से इस युद्ध में किसी भी प्रकार से नहीं जुड़े हैं। इस श्रेणी के देशों में भारत का नाम सबसे ऊपर उभर कर सामने आ रहा है। दरअसल, भारत अपनी कुल खपत का 85 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल अन्य देशों से आयात करता है। उक्त युद्ध प्रारम्भ होने के बाद से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं एवं यह 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से ऊपर निकल गई हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए यह स्थिति

किसी भी कीमत पर उचित नहीं है, क्योंकि भारत को महंगी दरों पर कच्चे तेल का आयात करना पड़ रहा है और इससे महंगे कच्चे तेल के साथ साथ भारत में मुद्रा स्फीति भी आयातित हो रही है। साथ ही, भारत को महंगे कच्चे तेल के आयात का अमेरिकी डॉलर में भुगतान करना होता है, जिससे भारतीय रुपए की कीमत पर अंतरराष्ट्रीय बाजार में दबाव बढ़ता जा रहा है एवं भारतीय रुपए का लगातार अवमूल्यन होता हुआ दिखाई दे रहा है। भारतीय रुपए के अवमूल्यन से भारत द्वारा आयात किए जाने वाले समस्त उत्पाद महंगे हो जाते हैं।

उक्त वर्णित युद्ध प्रारम्भ होने के पूर्व, भारतीय अर्थव्यवस्था (सकल घरेलू उत्पाद के आधार पर) वैश्विक स्तर पर अमेरिका, चीन, जर्मनी के पश्चात चौथे स्थान पर पहुंच गई थी। परंतु, अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए की कीमत में आए परिवर्तन के चलते



भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक स्तर पर छठे स्थान पर पहुंच गई है, जबकि सकल घरेलू उत्पाद उसी स्तर पर बना रहा है। इसका मुख्य कारण, अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर का भारतीय रुपए की तुलना में लगातार मजबूत होते जाना है।

जैसे जैसे रूस-यूक्रेन युद्ध और अधिक आक्रामक होता जा रहा है, वैसे वैसे अब यह सम्भावना बलवती होती जा रही है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में गेहूं एवं अन्य खाद्य पदार्थों के दामों में भी भारी वृद्धि देखने में आ सकती है, क्योंकि यूक्रेन गेहूं का बड़ा उत्पादक देश है। यूक्रेन ने रूस के कच्चे तेल को संसाधित कर पेट्रोल एवं डीजल बनाने

वाली उत्पादन इकाइयों को भी भारी नुकसान पहुंचाया है। इससे रूस ने गैस एवं ईंधन की आपूर्ति को यूरोपीयन देशों को स्थगित कर दिया है। सर्दी के मौसम में यूरोपीयन देशों को गैस एवं ईंधन की सबसे अधिक आवश्यकता होती है। परंतु, इस वर्ष यूरोपीयन देशों को सर्दी के मौसम में गैस एवं ईंधन की आपूर्ति प्रभावित होने वाली है इससे इन देशों के नागरिकों को सबसे अधिक कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है।

अमेरिका ने ईरान के साथ युद्ध प्रारम्भ करके विश्व के कई देशों को भारी परेशानी में डाल दिया है। न केवल कच्चा तेल बल्कि फर्टिलाइजर, खाद्य पदार्थ, गैस, आदि की आपूर्ति प्रभावित हुई है। साथ ही, वित्तीय क्षेत्र में भी कई देशों को भारी कठिनाइयों के बीच में धकेल दिया है। यदि यह युद्ध कुछ समय और चलता है, जिसके कि आसार दिखाई दे रहे हैं, तो कई देशों के दिवालिया होने की

सम्भावना बनती नजर आ रही है। अमेरिका में मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से यू एस फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में 25 आधार बिंदुओं की बढ़ौतरी की है। अक्टोबर 2026 एवं दिसम्बर 2026 माह में भी पुनः 25 आधार बिंदुओं की वृद्धि की सम्भावना व्यक्त की जा रही है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें उच्च स्तर पर बनी रहने की प्रबल सम्भावना है एवं इसके चलते अमेरिका में भी मुद्रा स्फीति पर नियंत्रण मुश्किल है। ब्याज दरों में वृद्धि के चलते अमेरिका में यू एस बांड यील्ड में भी लगातार वृद्धि हो रही है एवं यह अपने लगभग उच्चतम स्तर 5.25% तक पहुंच गई है। बांड यील्ड के उच्च स्तर की पहुंचने के चलते अमेरिकी निवेशक तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं से अपना निवेश निकाल कर अमेरिकी बांड में निवेश कर रहे हैं क्योंकि अपेक्षाकृत यह सुरक्षित निवेश है एवं ब्याज दर भी अधिक मिल रही है।

‘प्रोजेक्ट सियान आशीष सेवा’ और ‘प्रोजेक्ट सियान श्रम सम्मान’ का हुआ शुभारम्भ

वरिष्ठजनों का अनुभव हमारी शक्ति व उनकी गरिमा हमारी जिम्मेदारी : लक्ष्मी राजवाड़े

रायपुर। अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत समाज कल्याण विभाग द्वारा रायपुर के बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम, बूढ़ापारा में सियान सेवा महाकुंभ आयोजित किया गया। समाज कल्याण तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने वरिष्ठजनों को अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की शुभकामनाएं दीं और उनसे संवाद किया। कार्यक्रम में 4 हजार से अधिक वरिष्ठजन लाभांनित हुए।

महाकुंभ में नई सियान आशीष सेवा योजना के अंतर्गत 80 वर्ष से अधिक आयु के 1810 वरिष्ठ नागरिकों को सम्पूर्ण भारत में निशुल्क यात्रा के लिए बस पास प्रदान किए गए। इसके साथ ही आवश्यकता के अनुसार 2 हजार छड़ियां, एक हजार श्रवण यंत्र और 20 ट्राइसाइकिल वितरित की गईं। बस पास से वरिष्ठजनों को यात्रा में सुविधा मिलेगी, जबकि सहायक उपकरण उनकी रोजमर्रा की गतिविधियों को सुगम बनाएंगे।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने अपने संबोधन में कहा कि वरिष्ठजन हमारी



सांस्कृतिक विरासत और जीवन अनुभव के संवाहक हैं। उन्होंने अपने परिश्रम से परिवार और समाज को मजबूत आधार दिया है। उनका सम्मान करने के साथ उनके अनुभव को समाज के विकास में भी स्थान देना चाहिए। उन्होंने कहा, वरिष्ठजन केवल कल की विरासत नहीं हैं, बल्कि आज के विकास के सहभागी हैं। विकसित भारत के संकल्प और नवा अंजोर-अंजोर 2047 की सोच में वरिष्ठजनों की सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण है।

श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि मुख्यमंत्री

श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार का वृद्धजन कल्याण का संकल्प पेंशन तक सीमित नहीं है। वरिष्ठजनों की स्वास्थ्य सुरक्षा, देखभाल, आवागमन, सामाजिक सहभागिता और गरिमापूर्ण जीवन पर भी ध्यान दिया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के लिए 400 करोड़ रुपये और मुख्यमंत्री पेंशन योजना के लिए 450 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान किया गया है। विभाग की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से वर्तमान में प्रदेश के

15,90,080 वरिष्ठजन लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि हर पात्र हितग्राही तक सहायता समय पर, पारदर्शिता के साथ और सम्मानपूर्वक पहुंचे।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का उद्देश्य करते हुए मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि इसके माध्यम से अब तक 2 लाख 55 हजार 845 वरिष्ठजनों को आध्यात्मिक यात्रा का लाभ मिला है। तीर्थयात्रा कई वरिष्ठजनों की जीवनभर की इच्छा होती है और यह योजना उन्हें उस इच्छा को पूरा करने का अवसर देती है। उन्होंने कहा कि सियान आशीष सेवा योजना के बस पास भी वरिष्ठजनों की यात्रा को सुगम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने सियान हेल्पलाइन 155326 की जानकारी देते हुए कहा कि आवश्यकता के समय वरिष्ठजनों को सहायता और थरोसा मिलना चाहिए। उन्होंने वृद्धाश्रमों, अटल वयो अभ्युदय योजना, प्रशामक देखरेख गृह और सियान गुड़ी जैसी व्यवस्थाओं का उद्देश्य करते हुए कहा कि विभाग का प्रयास वरिष्ठजनों को सुरक्षित, आत्मीय और सम्मानपूर्ण वातावरण उपलब्ध कराना है।

वडनगर से काशी तक की सेवा यात्रा का जोरदार स्वागत

डिटी सीएम अरुण साव ने महतारी वंदनयोजना की फ़ायदा उठाने वाली महिलाओं से बातचीत की

बिलासपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मस्थान वडनगर से उनकी कर्मभूमि काशी तक की सेवा यात्रा में शामिल 52 बाइकर्स का एक ग्रुप आज बिलासपुर पहुंचा। डिटी सीएम अरुण साव, विधायक धर्मलाल कौशिक, क्रेडा के अध्यक्ष भूपेंद्र सवानी, जन-प्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में नागरिकों ने टिफरा के झुलेलाल मंगलम में यात्रियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। महिलाओं ने तिलक लगाकर और आरती उतारकर यात्रियों का स्वागत किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन, 17 सितंबर को शुरू हुई यह बाइक यात्रा वडनगर से काशी तक की जा रही है। यात्रा में शामिल बाइकर्स रास्ते में पड़ने वाली पवित्र नदियों का जल साथ ले जा रहे हैं, जिसे काशी विश्वनाथ मंदिर में अर्पित किया जाएगा। इसमें बिलासपुर की जीवनदायिनी अर्पा नदी का जल



भी शामिल किया गया है। अब तक यात्री लगभग 1,500 किलोमीटर की दूरी तय कर चुके हैं।

अपने स्वागत भाषण में विधायक धर्मलाल कौशिक ने कहा कि बिलासपुर के लोग सौभाग्यशाली हैं कि उन्हें वडनगर से काशी तक की इस सेवा यात्रा का स्वागत करने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री रहने से लेकर प्रधानमंत्री बनने तक, अपने सार्वजनिक जीवन में सेवा और विकास को प्राथमिकता दी है। केंद्र और राज्य सरकारों की विभिन्न जन-कल्याणकारी योजनाओं का ज़िक्र करते हुए

उन्होंने कहा कि इन योजनाओं से महिलाओं, किसानों और जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक और सामाजिक सहयोग मिला है।

डिटी सीएम लाभार्थियों के बीच पहुंचे और पूछा महतारी वंदन योजना से उनके जीवन में क्या बदलाव आया? कार्यक्रम तब और भी आत्मीय हो गया जब डिटी सीएम श्री अरुण साव मंच से नीचे उतरे और महतारी वंदन योजना की महिला लाभार्थियों से मिले। उन्होंने नीलम मार्को, प्रियंका नौरंग, अंजलि साहू और लक्ष्मी नौरंग से सीधे बात की और जाना कि वे इस योजना के तहत मिली राशि का इस्तेमाल कैसे कर रही हैं।

9 आत्मसमर्पित महिलाएं हिंदी फिल्म में करेंगी एक्टिंग

रायपुर। कभी हाथों में हथियार लेकर जंगलों में रहने वाली सुकमा की 9 आत्मसमर्पित महिलाएं अब एक नई पहचान बनाने की दिशा में कदम बढ़ाने जा रही हैं। इन महिलाओं को हिंदी फिल्म में अभिनय का अवसर मिलने वाला है। फिल्म निर्देशक आकाशदिव्य लामा ने उन्हें अपनी फिल्म में काम करने का मौका देने की बात कही है।

जानकारी के मुताबिक फिल्म की शूटिंग नवंबर और दिसंबर के दौरान होने की संभावना है। सुकमा के अलावा छत्तीसगढ़ के दूसरे इलाकों में भी

फिल्म की शूटिंग की जा सकती है। फिल्म में काम करने से पहले सभी 9 महिलाओं का ऑडिशन लिया जाएगा, जिसके आधार पर उन्हें भूमिकाएं दी जाएंगी।

ऑडिशन के बाद चयनित महिलाओं को करीब 10 से 15 दिनों की एक्टिंग वर्कशॉप में हिस्सा लेना होगा। इस दौरान उन्हें अभिनय की जानकारी के साथ संवाद बोलने, कैमरे के सामने प्रस्तुति देने और फिल्म से जुड़ी जरूरी बारीकियां सिखाई जाएंगी। इसके बाद उन्हें फिल्म की शूटिंग में शामिल किया जाएगा।

आशीष टिकरिया ने जनसंपर्क संचालक का पदभार संभाला



रायपुर। जनसंपर्क विभाग के नव नियुक्त संचालक आशीष टिकरिया ने आज जनसंपर्क संचालनालय में पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनका आत्मीय स्वागत करते हुए नवीन दायित्व के लिए नए शुभकामनाएं दीं।

सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत दुर्ग में दिखी जनभागीदारी

रायपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत दुर्ग जिले में जनसेवा, स्वच्छता, जल संरक्षण, पोषण और स्वास्थ्य से जुड़ी गतिविधियों में व्यापक जनभागीदारी देखने को मिल रही है। एक ओर सेवा सेतु शिविरों के माध्यम से नागरिकों के शासकीय कार्यों और आवेदनों का मौके पर निराकरण किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर श्रमदान से तालाबों की सफाई तथा ‘आंगन मिलन’ के माध्यम से बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा रही है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत 1 से 7 अक्टूबर तक विकासखंड एवं विधानसभावार विशेष सेवा सेतु शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। पहले दिन शिविर में समाज कल्याण, स्वास्थ्य, श्रम, प्रधानमंत्री आवास और राजस्व विभाग से जुड़ी सेवाओं के लिए बड़ी



संख्या में नागरिक पहुंचे। कुल 62 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 34 का मौके पर ही निराकरण किया गया। शेष आवेदनों के निराकरण की प्रक्रिया जारी है।

शिवपारा, दुर्ग निवासी तेज प्रकाश यादव के परिजनों को आवेदन करने के कुछ ही मिनटों में मृत्यु प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया गया।

बस्तर पंडुम के नाम पर सरकार ने भ्रष्टाचार किया : दीपक बैज

रायपुर। बस्तर पंडुम के नाम से सरकार ने भारी भ्रष्टाचार किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि राष्ट्रपति, केंद्रीय गृहमंत्री के आगमन पर टेंट, कुर्सी, पंडाल के आदि लगाने के नाम पर 6 करोड़ 14 लाख से अधिक गड़बड़ी की गई। 3 दिनों के कार्यक्रम में फूल माला पर 28 लाख रू. खर्च किया गया। यही नहीं ग्रीन रूम बनाने में 42 लाख रू. खर्च किया गया। इतने तो पक्का परमानेंट आराम गाह बन जाता। कपड़े के साईड वाल पर 44 लाख खर्च किया गया। कारपेट

के नाम पर 33 लाख खर्च किया गया। कुर्सी-टेबल आदि में 12.5 लाख खर्च किया गया। आर्टिस्टिक लगाने में एक दिन का 16.84 लाख खर्च किया गया। राष्ट्रपति के एक दिन के प्रवास में वेलकम एरिया में 17.5 लाख रू. खर्च किया गया। बस्तर का आम आदिवासी रोज फूल माला पर 28 लाख रू. खर्च किया गया। यही नहीं ग्रीन रूम बनाने में 42 लाख रू. खर्च किया गया। इतने तो पक्का परमानेंट आराम गाह बन जाता। कपड़े के साईड वाल पर 44 लाख खर्च किया गया। कारपेट

जीवन जीने के लिए खर्च कर रहा, महुआटोरा वनोपज संग्रहण जिसकी आजीविका का साधन है। उसी आदिवासी की संस्कृति के नाम पर बिजूल खर्ची आदिवासियों को मुंह चिढ़ाने वाली है।

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार



विपक्षी सांसदों का मार्च आगामी हार की रिक्रट : संजय श्रीवास्तव

रायपुर। विपक्षी इंडिया गठबंधन द्वारा वोट चोरी और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़ी कथित अनियमितताओं के विरोध में 2 अक्टूबर से देशव्यापी अभियान चलाने तथा 6 अक्टूबर को निर्वाचन आयोग के मुख्यालय तक विपक्षी सांसदों के मार्च के फैसले पर छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा की विपक्षी इंडिया गठबंधन निर्वाचन आयुक्त पर आरोप लगाकर भाजपा की जीत एवं जनादेश का अपमान कर रही है।

संजय श्रीवास्तव ने कहा कि इंडिया गठबंधन मुद्दाविहीन पार्टियों का समूह बनकर रह गया है। उसके इस तरह के राजनीतिक फैसलों से जनता को कोई मतलब नहीं है। विपक्षी दलों को पहले अपने-अपने दलों की स्थिति पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि इंडिया गठबंधन में शामिल पार्टियां वैचारिक रूप से संक्रमित हो चुकी हैं और जनता को भ्रमित करने की राजनीति कर रही हैं।

उन्होंने निर्वाचन आयोग के खिलाफ विपक्षी नेताओं द्वारा लगाए जा रहे आरोपों पर कहा कि लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक संस्थाओं पर गंभीर आरोप लगाने से पहले विपक्ष को तथ्यों के साथ अपनी बात रखनी चाहिए।

मोदी राज में महंगाई बेतहाशा बढ़ी गरीब और मध्यम वर्ग परेशान

रायपुर। कामर्शियल गैस के दामों में बढ़ोतरी मोदी सरकार का जनता पर महंगाई और बोझ है। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि मोदी सरकार ने कामर्शियल सिलेंडर के दामों में 62.50 रू. से लेकर 71.50 रू. तक महंगा कर दिया। पिछले 9 माह में कामर्शियल सिलेंडर के दाम में 1270 रू. की बढ़ोतरी मोदी सरकार ने किया है। मतलब हर माह 141 रू. दाम बढ़ाया गया है। कामर्शियल सिलेंडर के दाम बढ़ाने से बाजार में मिलने वाली खाद्य सामग्री, रेस्टोरेंट, होटलों में मिलने वाले कुक फुड नाश्ता, भोजन आदि के दाम स्वाभाविक रूप से और बढ़ जायेंगे। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि कामर्शियल सिलेंडर के दाम बढ़ने से इंडस्ट्रियल उत्पादों के दाम भी बढ़ जायेंगे। सुई से लेकर लौह उत्पादों के दाम भी बढ़ेंगे। छत्तीसगढ़ के आयरन उद्योगों पर भी इसका असर पड़ेगा, भाव बढ़ेगा और महंगाई भी बढ़ेगी। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि मोदी सरकार जब से सत्ता में आई है, महंगाई से देश के नागरिकों की कमर टूटती जा रही है। 2014 में जो गैस का सिलेंडर 410 रू. का था, आज वह 1000 रू. के पार है वह भी मिल नहीं रहा।

लोकतंत्र और चुनाव प्रणाली की रक्षा के लिए आप का हल्लाबोल



रायपुर। आम आदमी पार्टी छत्तीसगढ़ द्वारा भारत के लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं पर हो रहे अभूतपूर्व हमले पर राजधानी रायपुर में राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के माध्यम से भारत की राष्ट्रपति महोदया के नाम ज्ञापन सौंपा गया। प्रदेश में सभी विधानसभा में ज्ञापन दिया जा रहा है। आप नेताओं ने बताया कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया भारतीय लोकतंत्र की आत्मा है, परंतु हालिया घटनाक्रमों से यह स्पष्ट हो चुका है कि भारत का निर्वाचन आयोग अपनी संवैधानिक निष्पक्षता खो चुका है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार द्वारा सत्ताधारी दल भाजपा के नरेंद्र मोदी और अमित शाह जैसे शीर्ष नेताओं के साथ मिलकर देश भर के 30 राज्यों में स्टूडक (विशेष सचन पुनरीक्षण /विशेष गहन पुनरीक्षण के नाम पर लगभग 13 करोड़ 47 लाख वैध मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने का गंभीर षड्यंत्र रचा गया है।

206 आंगनवाड़ी केन्द्रों में हुए विविध आयोजन



रायपुर। आंगन मिलन सम्मेलन के अंतर्गत रायपुर जिले के 206 आंगनवाड़ी केन्द्रों में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं, माताओं, बच्चों तथा स्थानीय समुदाय की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम के दौरान गर्भवती माताओं की गोदभराई एवं बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार कराया गया। इस अवसर पर माताओं एवं परिवारजनों को गर्भाशयस्थ का दौरान आवश्यक देखभाल, संतुलित एवं पौष्टिक आहार, बच्चों के उचित पोषण, स्वास्थ्य तथा प्रारंभिक बाल विकास से संबंधित जानकारी प्रदान की गई। सम्मेलन में जिले के जनप्रतिनिधियों ने भी सहभागिता की। जनप्रतिनिधियों द्वारा आंगनवाड़ी केन्द्रों में बच्चों के लिए खिलौने एवं अन्य उपयोगी सामग्री प्रदान की गई तथा विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कार देकर उत्साहवर्धन किया गया।

पीएम किसान मानधन योजना में छग के 25 लाख किसान पात्र

रायपुर। छत्तीसगढ़ के 92 प्रतिशत गरीब किसानों को प्रधानमंत्री मानधन योजना के तहत पेंशन सुरक्षा से पूरी तरह वंचित करने का आरोप लगाते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि भाजपा की ‘डबल इंजन’ सरकार का असली चेहरा अब आंकड़ों में बेनकाब हो चुका है। यह सरकार प्रदेश के 25 लाख छोटे और सीमांत किसानों के हितों को बाधित कर रही है।

प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना के नाम पर केवल ढिंढोरा पीटा जा रहा है। छत्तीसगढ़ में 25 लाख पात्र किसान हैं, लेकिन पंजीयन मात्र 2 लाख 2 हजार का हुआ है। यानी अब तक 23 लाख किसान इस पेंशन योजना से बाहर हैं। यह योजना नहीं, भाजपा का एक और चुनावी जुमला है जहाँ काम 8 परसेंट ही हुआ है और ढिंढोरा 100 परसेंट पीटा जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि सरकार की अकर्मण्यता, प्रशासनिक निष्क्रियता, कृषि विभाग में व्यापक प्रचार-प्रसार और जागरूकता अभियानों का अभाव, तथा कॉमन सर्विस सेंटरों (सीएससी) की तकनीकी खामियों के चलते यह योजना केवल कागजों तक सिमट कर रह गई है। यह केंद्र सरकार की योजना की वैसी ही विफलता है।

दिल्ली से आए 41 सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ने राज्यपाल से की मुलाकात, बस्तर के विकास और पर्यटन संभावनाओं को देखा

बस्तर की बदली तस्वीर को देश दुनिया तक पहुंचाएं सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर : डेका

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि बस्तर में नक्सलवाद का प्रभाव समाप्त होने के बाद केंद्र और राज्य सरकार द्वारा क्षेत्र के लोगों के कल्याण और विकास के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से कार्य हो रहे हैं। कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। बस्तर में विकास के साथ लोगों का विश्वास बढ़ रहा है और भय का वातावरण धीरे-धीरे समाप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर बस्तर में हो रहे इन सकारात्मक बदलावों को देश-विदेश तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। राज्यपाल आज दिल्ली से आए सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर के दल से मुलाकात के दौरान संबोधित कर रहे



थे। ये सभी इन्फ्लुएंसर ‘सेवा संकल्प अभियान’ के तहत छत्तीसगढ़ भ्रमण पर आए हैं। उन्होंने विशेष रूप से बस्तर में नक्सलवाद समाप्त होने के बाद आए बदलाव, विकास कार्यों, स्थानीय जनजीवन और पर्यटन की संभावनाओं को करीब से जाना और समझा।

इन्फ्लुएंसर ने राज्यपाल को बताया कि उन्होंने तीन दिन बस्तर में बिताए और

इस दौरान स्थानीय ग्रामीणों से संवाद किया। उन्होंने नक्सल प्रभावित रहे क्षेत्रों और गांवों का भ्रमण कर वहां की वर्तमान स्थिति को देखा। उन्होंने बताया कि मीडिया के माध्यम से उन्हें छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद समाप्त होने और बस्तर में हो रहे बदलाव की जानकारी मिली थी। इसी बदलाव को प्रत्यक्ष रूप से देखने और समझने के उद्देश्य से वे यहां पहुंचे हैं।

इन्फ्लुएंसर ने कहा कि बस्तर में उन्हें शांति और सुकून का अनुभव हुआ। यहां की प्राकृतिक सुंदरता ने उन्हें विशेष रूप से आकर्षित किया। सड़क संपर्क बेहतर हुआ है तथा प्रभावित लोगों के पुनर्वास और रोजगार के लिए किए जा रहे प्रयास भी दिखाई देते हैं। उन्होंने कहा कि बस्तर में उन्होंने जितने बदलाव की कल्पना की थी, उससे कहीं अधिक सकारात्मक

परिवर्तन देखने को मिला। वे अपने सोशल मीडिया मंचों के माध्यम से इन अनुभवों को देश-दुनिया तक पहुंचाएंगे, जिससे बस्तर के प्रति बनी पुरानी धारणाएं दूर हों और अधिक लोग यहां पर्यटन के लिए आएँ।

राज्यपाल ने कहा कि बस्तर के बच्चों में शिक्षा के प्रति उत्साह बढ़ा है। जो बच्चे स्कूल नहीं जाते थे अब रोज स्कूल जाते हैं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना सहित विभिन्न विकास योजनाओं के माध्यम से गांवों को बेहतर सुविधाओं से जोड़ा जा रहा है। बस्तर के शहरों और पर्यटन स्थलों के विकास के लिए भी कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि रोजगार के अवसर बढ़ेंगे तो विकास की गति भी तेज होगी और सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सकेगा।

प्रोजेक्ट ग्रीन पालना : माताओं को बच्चे के जन्म पर 5 पौधों की भेंट

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को साकार करते हुए रायपुर जिला प्रशासन की ‘प्रोजेक्ट ग्रीन पालना’ पहल मातृत्व की खुशी को हरियाली के संकल्प से जोड़ रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय के मंशानुरूप चल रहे इस अभिनव प्रयास के तहत शासकीय अस्पतालों में प्रसव के बाद प्रसूता माताओं को फलदार पौधे भेंट किए जा रहे हैं, ताकि एक नई ज़िंदगी के आगमन के साथ धरती पर एक नए वृक्ष का भी जन्म हो।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में रायपुर जिले में इस अभियान के तहत 30 सितंबर को जिले के विभिन्न स्वास्थ्य केंद्र जैसे



शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हीरापुर – 01, एम.सी.एच. कालीबाड़ी – 01, अभनपुर – 01, चंगोराभाटा – 01, तिल्दा – 01, बिरावा, मोवा – 01 सहित कुल 08 प्रसूता माताओं को 40 फलदार पौधे भेंट किए गए।

अब तक इस योजना के तहत कुल 13,744 प्रसूता माताओं को 68,720 पौधे भेंट किए जा चुके हैं। प्रत्येक माता को 5-5 पौधे दिए जा रहे हैं जिनमें आम, अमरूद, मुनगा (सहजना), पपीता और आंवला जैसे पोषणयुक्त फलदार प्रजातियां शामिल हैं।